हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 183 बेमेतरा, सोमवार 23 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

पुलिस चौकी को आईईडी से उड़ाने की थी योजना; बम निरोधक दस्ते ने किया डिफ्यूज

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां आतंकियों ने अमृतसर देहात के ब्यास थाने के अंतर्गत आने वाली रइया पुलिस चौकी को शुक्रवार देर रात आईईडी धमाके से उड़ाने की खौफनाक साजिश रची थी। हालांकि, पुलिस की मुस्तैदी और सतर्कता के चलते समय रहते इस आईईडी का पता चल गया, जिससे आतंकियों के नापाक मंसूबों पर पूरी तरह से पानी फिर गया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। पुलिस चौकी के पास विस्फोटक मिलने की भनक लगते ही महकमे में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शनिवार तड़के तुरंत बम निरोधक दस्ते (बम डिस्पोजल टीम) को मौके पर बुलाया गया। टीम ने बेहद सावधानीपूर्वक आईईडी को कब्जे में लेकर उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट (डिफ्यूज) कर दिया। इस बड़ी आतंकी घटना को टालने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। फिलहाल किसी भी आतंकी संगठन या गैंगस्टर गुट ने इस दुस्साहसिक कृत्य की जिम्मेदारी नहीं ली है।

पत्नी को मारा गया एक थप्पड़ 'क्रूरता' नहीं, रद्द की पति की 7 साल की सजा

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट का एक हालिया फैसला इन दिनों देशभर में चर्चा और बहस का विषय बना हुआ है। अदालत ने अपने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि पति द्वारा पत्नी को मारा गया केवल एक थप्पड़ 'क्रूरता' की श्रेणी में नहीं आता है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी साफ किया कि क्रूरता का मामला साबित करने के लिए लगातार और असहनीय प्रताड़ना के ठोस सबूत होना बेहद जरूरी हैं। इस फैसले को लेकर आम जनता से लेकर कानूनी जानकारों तक की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। यह पूरा मामला साल 1996 का है, जिस पर अब हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। अदालत में दिलीपभाई मंगलाभाई वरली नाम के व्यक्ति ने एक अपील दायर की थी, जिसमें उन्होंने सेशंस कोर्ट के साल 2003 के फैसले को चुनौती दी थी।

दिल्ली पुलिस ने यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को किया कोर्ट में पेश, मांगी 5 दिन की कस्टडी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के 4 कार्यकर्ताओं को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने अदालत से आरोपियों की 5 दिन की रिमांड मांगी। हालांकि, यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की ओर से अदालत में जमानत याचिका भी दाखिल की गई है। दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान देशविरोधी नारे लगाए गए। नेपाल के जेन-जी की तर्ज पर देश को बांटने वाले नारे लगाए। उन्होंने प्रदर्शन की ऐसी जगह चुनी, जहां दूसरे देशों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद थे।

रैपिड मेट्रो रेल का किया उद्घाटन

पीएम बनना चाहते हो,लोगों के दिल जीतो-पीएम मोदी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश की क्रांतिधरा मेरठ आज एक बार फिर ऐतिहासिक पलों की गवाह बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां न केवल 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी, बल्कि मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली-मेरठ के सफर को केवल 55 मिनटों में समेट दिया। लेकिन इस विकास उत्सव के बीच पीएम मोदी का एक अलग ही रौद्र रूप देखने को मिला, जब उन्होंने दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई समिट के दौरान कांग्रेस के प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। एआई समिट में यूथ कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन पर प्रधानमंत्री ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पूरा देश गर्व से भरा था कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन कर रहा है, लेकिन कांग्रेस के बेलगाम नेताओं ने विदेशी मेहमानों के सामने गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो पहले से जानता है कि आप नंगे हो, फिर कपड़े उतारकर देश की छवि खराब करने की क्या जरूरत थी? पीएम मोदी ने कांग्रेस को वैचारिक रूप से दरिद्र बताते हुए कहा कि विपक्षी गठबंधन के अन्य दल जैसे टीएमसी, डीएमके या बसपा इस पाप में शामिल नहीं थे, केवल कांग्रेस ही देश को तबाह करने पर तुली है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो लोगों के दिल जीतने होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि गांव में भी जब कोई मेहमान आता है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जुट जाता है, लेकिन कांग्रेस अपने ही देश को बदनाम कर रही है। उन्होंने कहा, इन्हें मोदी से नफरत है, ये मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, मेरी मां को गाली देने से भी इन्हें परहेज नहीं है। ये सब हम सह लेंगे, लेकिन एआई समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, वो देश के सम्मान का कार्यक्रम था। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि ऐसी हरकतों के लिए विपक्ष शब्द का इस्तेमाल न करें, क्योंकि कांग्रेस के इस रवैये से उसके साथी दल भी अब किनारा कर रहे हैं। इससे पहले मेरठ पहुंचने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएम का स्वागत किया। रैपिड रेल की खूबियां बताते हुए कहा गया कि सराय काले खां से मोदीपुरम के बीच 13 स्टेशनों वाला यह सफर अब बेहद आसान होगा। एमएसएमई को नई ताकत : अब छोटे कारीगर और बुनकर 10 लाख से अधिक का सामान भी बिना सीमा के कोरियर से विदेश भेज सकेंगे। इससे मेरठ की कैंची, स्पोर्ट्स गुड्स और खुर्जा की क्राकरी को वैश्विक पहचान मिलेगी। चौधरी चरण सिंह का सम्मान : पीएम ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देना उनकी सरकार का सौभाग्य है, जिन्होंने हमेशा किसानों और छोटे उद्योगों का विजन देखा। मोदी का यह दौरा केवल मेट्रो का उद्घाटन नहीं था, बल्कि विकास की रफ्तार और राजनीति की मर्यादा के बीच एक स्पष्ट लकीर खींचने का प्रयास था। उन्होंने साफ कर दिया कि भारत को ग्लोबल पावर बनाने के सफर में विकास की पटरी पर कोई भी रोड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई-मोदी

उन्होंने आगे कहा, 'समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि आपको कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस के नेताओं ने वहां पर जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई है। कांग्रेस तो अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है, वे मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, और उन्हें भाजपा और एनडीए से विरोध है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि एआई ग्लोबल समिट भाजपा का समारोह नहीं था। यह देश का कार्यक्रम था, देश के सम्मान का कार्यक्रम था। लेकिन, कांग्रेस ने परसों सारी मर्यादाएं तोड़ दी। आज पूरे देश में कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू हो रही है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता लजाने के बजाय बेशर्मी के साथ गरजते हैं, और यह मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि संसद में अपने साथी दलों को भी बोलने का मौका नहीं देते हैं। संसद को चलने नहीं देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है। एआई समिट में कांग्रेस ने जो किया है, उससे साथी दल भी चौक गए हैं। सबने इससे किनारा कर लिया।

वित्त मंत्री चौधरी 24 फरवरी को पेश करेंगे बजट

शर्तों के साथ लखमा को सत्र में शामिल होने की अनुमति...

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधान सभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरु होने जा रहा है, जो 20 मार्च तक चलेगा। कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं। 24 फरवरी को अपरान्ह 12.30 बजे वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी छत्तीसगढ़ सरकार का 2026-27 का अनुमानित बजट पेश करेंगे। वित्त मंत्री के बजट भाषण का रायपुर दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से सीधा प्रसारण होगा। कुछ ही दिनों पहले जमानत पर बाहर आए कांग्रेस विधायक कवासी लखमा को कड़े नियम-शर्तों के साथ इस बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति दी गई है। अपने सरकारी आवास परिसर में आहूत पत्रकार वार्ता में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उपरोक्त जानकारी देते हुए आगे बताया कि सत्र की शुरूआत 23 फरवरी को पूर्वान्ह 11 बजे राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर सदन में चर्चा 25 फरवरी को होगी। राज्यपाल के अभिभाषण का दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया जायेगा । बजट सत्र में अविभाजित मध्यप्रदेश के समय के पूर्व विधायक दीनदयाल सिंह पोर्ते को श्रद्धांजलि दी जाएगी। 26 एवं 27 फरवरी को बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 9 से 17 मार्च तक सभा में विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। 17 मार्च को आय-व्ययक की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक का पुर:स्थापन होगा। आय-व्ययक की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक पर चर्चा एवं पारण हेतु 18 मार्च की तारीख निर्धारित है।

बारात से लौट रही तेज रफ्तार बस ने कार को मारी जोरदार टक्कर

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के पास भिंड-ग्वालियर हाईवे (एनएच-719) पर शनिवार रात बारात से लौट रही एक तेज रफ्तार बस ने ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक बस भिंड में बारात छोड़कर वापस ग्वालियर की ओर जा रही थी।

यूपी सरकार का दावा

राजनाथ से भी ज्यादा सुरक्षा अखिलेश को मिल रही है....

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने विधानसभा में बताया कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पास वर्तमान में सबसे अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, जिनकी संख्या 185 है। इसके बाद, दूसरे स्थान पर बसपा प्रमुख मायावती का नाम आता है। उन्हें 161 सुरक्षाकर्मी दिए गए हैं, और इसके साथ ही उन्हें नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (ह्स्त) की सुरक्षा भी प्राप्त है।डिप्टी सीएम मौर्य ने यह भी बताया कि अखिलेश यादव को 24 कोबरा कमांडो भी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं। यह जानकारी तब सामने आई जब समाजवादी पार्टी के एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने विधानसभा में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया।

जेल जाएंगे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद!

पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के आदेश पर प्रयागराज में एफआईआर...

प्रयागराज/ एजेंसी

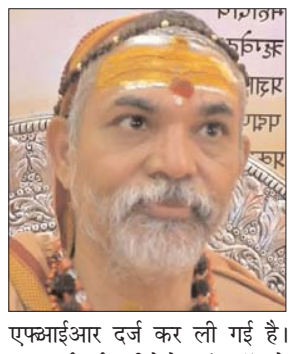

प्रयागराज के झूंसी थाने में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण के सनसनीखेज आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के कड़े आदेश के बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह कार्रवाई एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद झूंसी थाना पुलिस द्वारा की गई है। अदालत ने इस मामले की सुनवाई करते हुए 21 फरवरी को आवेदक की अर्जी स्वीकार की और पुलिस को तत्काल मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। एडीजे विनोद कुमार चौरसिया के इस कड़े रुख के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। इस पूरे विवाद की जड़ में स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी की शिकायत है। शिकायतकर्ता के अनुसार, माघ मेले के दौरान एक नाबालिग और एक बालिग बच्चा उनके पास आया था, जिन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर कुकर्म के अत्यंत गंभीर आरोप लगाए थे। आशुतोष ब्रह्मचारी का आरोप है कि उन्होंने इन पीड़ितों की ओर से पहले झूंसी थाने में तहरीर दी थी।

एमपी के जंगल में दिखा अद्भुत नजारा, शिवलिंग पर सिर रगड़ता नजर आया बाघ

कटनी । क्या आपने कभी किसी खूंखार जंगली जानवर को भगवान की भक्ति करते देखा है? अगर नहीं, तो मध्य प्रदेश के कटनी जिले से सामने आया एक हैरान कर देने वाला वीडियो आपको अचरज में डाल देगा। ढीमरखेड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले सडार के जंगलों में एक बाघ को भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर अपना सिर रगड़ते हुए देखा गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो वह महादेव से कुछ मांग रहा हो या उनके समक्ष नतमस्तक हो रहा हो। वन्यजीव और आस्था के इस अनोखे संगम का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

बीजेपी ने बोला हमला और छिड़ा घमासान

सैम पित्रोदा का बवाली बयान भारतीय दूसरों की सेवा के लिए

नई दिल्ली/ एजेंसी

सैम पित्रोदा के नए बयान ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने दूसरों की सेवा के लिए युवाओं की फौज तैयार की है। तकनीकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए पित्रोदा ने कहा कि डेढ़ अरब आबादी वाले देश के पास अपना ऑपरेटिंग सिस्टम न होना बेहद शर्मनाक है। इस टिप्पणी के तुरंत बाद भाजपा ने पलटवार करते हुए पित्रोदा पर भारत को नीचा दिखाने का आरोप लगाया। एक यूट्यूब साक्षात्कार में कांग्रेस नेता ने विदेशी कंपनियों में मौजूद भारतीयों की संख्या का हवाला देकर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि भारत ने शिक्षण संस्थानों के माध्यम से युवा प्रतिभाओं की एक विशाल फौज खड़ी कर ली है। हालांकि, दुख की बात है कि भारत सरकार इन युवाओं की अपार क्षमता का सही उपयोग देश के भीतर नए नवाचारों और महत्वपूर्ण खोजों के लिए करने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। पित्रोदा ने कहा कि देश ने युवा प्रतिभाएं पैदा की हैं वे अपरिपक्व हैं। इन युवाओं ने भारत के बजाय दुनिया की तमाम मल्टीनेशनल कंपनियों को बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स, कानून, इनोवेशन और प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में मदद की है। उनका मानना है कि इस उत्कृष्ट प्रतिभा के बल पर भारत ने अपने लिए कोई ग्लोबल प्रोडक्ट तैयार नहीं किया। इसके विपरीत हमारे इन होनहार युवाओं का पूरा इस्तेमाल सिर्फ दूसरे देशों की सेवा करने के लिए ही किया गया है।

माओवादियों को लगा बड़ा झटका

तिप्परी तिरुपति उर्फ देव जी और अन्य ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर/ संवाददाता

तेलंगाना में चल रहे 'ऑपरेशन कगार' के तहत माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। माओवादी पार्टी के प्रमुख नेता तिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी, पोलित ब्यूरो सदस्य मल्ला राजिरेड्डी उर्फ संग्राम और नरसिम्हा रेड्डी उर्फ गंगन्ना समेत कुल 16 माओवादियों ने 22 फरवरी को तेलंगाना की स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच (स्ड्डक्र) के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन सभी नेताओं को अगले दो दिनों में सार्वजनिक रूप से पेश किया जा सकता है और इस संबंध में आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है। राज्य सरकार ने 'ऑपरेशन कगार' के तहत 31 मार्च तक माओवादी आंदोलन को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में शीर्ष स्तर के नेताओं का आत्मसमर्पण सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी रणनीतिक सफलता माना जा रहा है। लगातार सुरक्षा बलों के दबाव, मुठभेड़ों और संगठन के अंदर बढ़ती अस्थिरता के कारण माओवादी ढांचा कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। साल 2021 में रामकृष्णा के एनकाउंटर के बाद से माओवादी आंदोलन में भारी हलचल शुरू हो गई थी। इसके बाद हिडमा और संबाला केशव राव जैसे वरिष्ठ नेताओं के मारे जाने की घटनाओं ने संगठन की कमर तोड़ दी। कई अन्य महत्वपूर्ण नेता जैसे आशन्ना और मल्लोजुला वेणुगोपाल ने भी बाद में आत्मसमर्पण कर दिया। गणपति के विदेश भागने की खबरों ने भी संगठन की स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े किए। वर्तमान में बड़े चोक्काराव की तलाश जारी बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, अब जंगलों में सक्रिय माओवादियों की संख्या बेहद सीमित रह गई है। आत्मसमर्पण करने वाले तिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी मूल रूप से जगतियाल जिले के कोरुतला के निवासी हैं और नंबाला केशव राव के एनकाउंटर के बाद केंद्रीय माओवादी पार्टी के सचिव के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं पेड्डापल्ली जिले के मल्ला राजिरेड्डी पोलित ब्यूरो के सक्रिय सदस्य थे और संगठन की रणनीतिक गतिविधियों में उनकी अहम भूमिका मानी जाती थी। बताया जा रहा है कि इस आत्मसमर्पण प्रक्रिया में तेलंगाना के एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और कुछ सिविल राइट्स कार्यकर्ताओं ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। यह भी चर्चा है कि राज्य का एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता इस पूरी प्रक्रिया के संपर्क में था। लगातार मिल रही इन सफलताओं से संकेत मिल रहे हैं कि माओवादी आंदोलन अपने अंतिम चरण में पहुंच सकता है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

लगातार सफल हो रहे ऑपरेशन, टूट रही नक्सलियों की कमर- सीएम विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर सरकार को एक और अहम सफलता मिली है। नक्सली लीडर देवजी के आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों से सुरक्षा बलों को लगातार कामयाबी मिल रही है और देवजी का समर्पण इसी कड़ी की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि संग्राम नामक नक्सली ने भी हथियार छोड़ दिए हैं, जिससे स्पष्ट है कि संगठन की पकड़ कमजोर हो रही है। बालौदाबाजार रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान का असर दिख रहा है और कई नक्सली मुख्यधारा में लौटने का फैसला कर रहे हैं।

आध्यात्मिक निष्ठा और राजधर्म का अनूठा संगम मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के बढ़ते कदम

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की राजनीति में इन दिनों एक युवा नेतृत्व की चर्चा चहुंओर है, जो न केवल मंत्रालय की फाइलों में जनहित खोजता है, बल्कि पदयात्राओं के जरिए समाज की जड़ों से भी जुड़ा हुआ है। हम बात कर रहे हैं छत्तीसगढ़ सरकार के युवा कैबिनेट मंत्री और आरंग से विधायक गुरु खुशवंत साहेब की। मात्र 36 वर्ष की आयु में वे जिस परिपक्वता के साथ 'धर्म' और 'शासन' के बीच संतुलन बना रहे हैं, वह प्रदेश के युवाओं के लिए एक मिसाल बन गया है। ?गुरु खुशवंत साहेब वर्तमान में 'सतनाम सद्भाव पदयात्रा' के माध्यम से गुरु घासीदास बाबा के शांति, मानवता और समानता के संदेश को जन-जन तक पहुँचा रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना है।

?÷सतनाम का मार्ग सत्य और सेवा का मार्ग है। एक गुरु के रूप में मेरा धर्म समाज को जोड़ना है, और एक मंत्री के रूप में मेरा कर्म प्रदेश की सेवा करना है।÷

– गुरु खुशवंत साहेब

?प्रशासनिक दक्षता में भी अव्वल

?आमतौर पर यह माना जाता है कि आध्यात्मिक यात्राओं और सार्वजनिक कार्यक्रमों के बीच प्रशासनिक कार्यों में बाधा आ सकती है, लेकिन गुरु खुशवंत साहेब ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है।

?समय प्रबंधनः अपनी पदयात्रा के अत्यंत व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी वे विभाग की समीक्षा बैठकें और जनसुनवाई के लिए समय निकालना नहीं भूलते। ?निष्ठा और लगनः मंत्री पद की गरिमा और जिम्मेदारी को वे पूर्ण समर्पण के साथ निभा रहे हैं, जिससे उनके विभागों में त्वरित निर्णय और विकास कार्यों में गति देखी जा रही है।?युवा जोशः छत्तीसगढ़ के सबसे कम उम्र के मंत्रियों में से एक होने के नाते, उनकी कार्यशैली में आधुनिक दृष्टिकोण और पारंपरिक मूल्यों का अद्भुत समावेश है।

सामाजिक समरसता के प्रेरक स्तंभ

?उनका जीवन सेवा, समर्पण और सद्भाव का एक जीवंत उदाहरण है। वे केवल एक समुदाय विशेष के नेता नहीं, बल्कि 'सर्वजन हिताय' की भावना से कार्य कर रहे हैं। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्हें गुरु का आचरण भी आता है और सत्ता की जिम्मेदारी को जनसेवा का माध्यम बनाना भी बखूबी आता है।?छत्तीसगढ़ के इस युवा मंत्री की सक्रियता यह दर्शाती है कि यदि इरादे नेक हों और संकल्प दृढ़, तो व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए आधुनिक शासन व्यवस्था में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है। गुरु खुशवंत साहेब का यह सफर केवल एक नेता का सफर नहीं, बल्कि एक 'सेवक' की संकल्प यात्रा है।

जातिगत गाली और जान से मारने की धमकी का मामला गरमाया

पीड़ित ने थाना पहुंचकर लगाई न्याय की गुहार, रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग

सारंगढ़/मूक पत्रिका

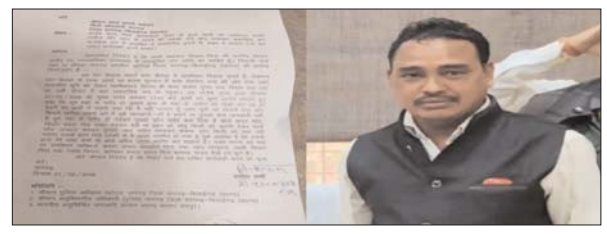

जिले के सारंगढ़ क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति के साथ जातिसूचक गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने सिटी कोतवाली सारंगढ़ में लिखित शिकायत देकर रिपोर्ट दर्ज करने और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी रामनाथ सिदार, निवासी वार्ड क्रमांक 10 खैरहा, तहसील सारंगढ़, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, ने अपनी शिकायत में उल्लेख किया है कि 20 फरवरी 2026 को सुबह लगभग 11 बजे गांव में जमीन संबंधी विवाद के दौरान संतोष गुप्ता द्वारा उन्हें जातिगत शब्दों से अपमानित किया गया। साथ ही गंभीर धमकी देते हुए जान से मारने की बात कही गई।पीड़ित का कहना है कि वह अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं और उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने भी कथित रूप से पूरा घटनाक्रम देखा और सुना है। शिकायतकर्ता ने आशंका जताई है कि आरोपी भविष्य में किसी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकता है, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना प्रभारी को आवेदन सौंपते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही इस मामले की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस और अनुसूचित जनजाति आयोग को भी भेजी गई है। इस घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जातिगत भेदभाव और धमकी जैसी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी और गंभीरता से कार्रवाई करता है। क्षेत्रवासियों की नजरें प्रशासनिक कदमों पर टिकी हुई हैं।

बूचड़खाना ले जाए जा रहे मवेशी तस्करी का भंडाफोड़, थाना चांदों पुलिस की कार्रवाई

चांदों /मूक पत्रिका

थाना चांदों पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी चांदों को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति ग्राम नावाडीह कला पियारटोली मार्ग से तीन बैलों को क्रूरता पूर्वक मारते-पीटते हुए झारखंड बॉर्डर स्थित बूचड़खाना की ओर ले जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर उनके निर्देश पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। ग्राम नावाडीह कला पियारटोली के मुख्य मार्ग पर दो व्यक्तियों को तीन बैलों के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम सुरेंद्र काशी निवासी धनजी एवं कपिल देव निवासी ग्राम करचा, थाना चांदों बताया।प्रारंभिक जांच में मवेशी तस्करी की पुष्टि होने पर थाना चांदों में अपराध क्रमांक 05/2026 धारा 4, 6, 10 छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया गया। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस ने तीनों बैलों को सुरक्षित संरक्षण में लेकर अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

पीएम आशा योजना में रबी एवं खरीफफसलों की खरीदी हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 28 फरवरी

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना (पीएम आशा) किसानों के लिए हितकारी

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना (पीएम आशा) योजना अंतर्गत प्राईस सपोर्ट स्कीम के तहत किसानों का पंजीयन समितियों के माध्यम से ई समयुक्ति पोर्टल में किया जा रहा है। योजनान्तर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में क्रमशः अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन तथा रबी विपणन वर्ष 2026-27 में क्रमशः चना, मसूर एवं सरसों फसलों की बुआई करने वाले कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से सेवा सहकारी समितियों में आवेदन पत्र के साथ आधार कार्ड में रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर साथ लेकर अपना पंजीयन कराएं। इस योजनान्तर्गत भारत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य जिसमें खरीफ फसल अरहर 8000 रूपए, मूंग 8768 रूपए, उड़द 7800 रूपए. मूंगफली 7263 रूपए. सोयाबीन 5328 रूपए एवं रबी फसल चना 5875 रूपए, मसूर 7000 रूपए, एवं सरसों 6500 रूपए, न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल तय किया गया है। योजनान्तर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जिले के लिए चिन्हांकित एजेंसी द्वारा पंजीकृत कृषकों की फसलों का खरीदी किया जाएगा। कृषकों से फसल उपार्जन का कार्य सप्ताह में 5 दिवस (सोमवार से शुक्रवार) तक किया जाएगा। योजनान्तर्गत शासन द्वारा पंजीकृत कृषकों से खरीफ फसल अरहर 3 क्विंटल, मूंग 3 क्विंटल, उड़द 3 क्विंटल, मूंगफली 7 क्विंटल, सोयाबीन 5 क्विंटल प्रति एकड़, एवं रबी फसल चना 6 क्विंटल, मसूर 2 क्विंटल, सरसों 5 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से कृषकों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। कृषक अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से संबंधित सेवा सहकारी समिति में आवेदन पत्र के साथ ऋण पुस्तिका, बी-1, पी-2, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति जमा कर पंजीयन करा सकते हैं। योजना अंतर्गत शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर जिले के लिए चिन्हांकित केंद्रीय एजेंसी द्वारा पंजीकृत कृषकों की फसलों का उपार्जन किया जाएगा। उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) में किसानों का पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल एवं नाफेड द्वारा संचालित ई-समृद्धि पोर्टल के माध्यम से दलहन एवं तिलहन फसलों की ऑनलाईन पंजीयन कर खरीदी की जा रही है। इससे किसानों को समर्थन मूल्य की राशि सीधे उनके बैंक खातों में प्राप्त होगी। यह योजना दलहन-तिलहन क्षेत्र के विस्तार और किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) भारत सरकार की एक व्यापक योजना है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना है। 2018 में शुरू की गई इस योजना में दालों, तिलहनों की खरीद शामिल है। इसमें तीन मुख्य घटक, मूल्य समर्थन योजना, मूल्य अंतर भुगतान योजना और निजी खरीद एवं स्टॉकिस्ट योजना है । पीएम-आशा योजना का -उद्देश्य किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और आय में वृद्धि करना है। इसे वर्ष

23 फरवरी को झिंझारी (कटनी) में होगा महिला सेना पुलिस भर्ती का शारीरिक दक्षता परीक्षा

सांइइ परीक्षा में पास महिला उम्मीदवार ही लेंगी हिस्सा

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सेना भर्ती कार्यालय जबलपुर द्वारा सेना में महिला सेना पुलिस पद के लिए भर्ती का आयोजन 23 फरवरी 2026 को पुलिस ग्राउन्ड झिंझारी कटनी मध्यप्रदेश में किया गया है, जिसमें सेना भर्ती कार्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ अंतर्गत आने वाले सभी 33 जिलों की ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) में सफल हुए महिला उम्मीदवार भी हिस्सा लेंगी। ऑनलाईन परीक्षा में उत्तीर्ण महिला उम्मीदवार ही शारीरिक दक्षता और अन्य भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लें सकेंगे। शारीरिक दक्षता, दस्तावेज सत्यापन में सफल महिला उम्मीदवारों की 24 फरवरी 2026 को सेना अस्पताल जबलपुर में चिकित्सा जांच की जाएगी। रैली में भाग लेने वाली योग्य महिला उम्मीदवारों को प्रवेश पत्र उनके ई-मेल पर भेजा गया है। साथ ही प्रवेश पत्र वेबसाईट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन (www.joinindianarmy.nic.in) पर उपलब्ध है और ईमेल पर भेजा गया है। भर्ती में हिस्सा लेने के लिए प्रवेश पत्र एवं रैली अधिसूचना के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेज के साथ साथ आधार कार्ड से लिंक मोबाईल भी लेकर आना अनिवार्य है।

जंगल में मिला शावक हाथी का शव..

तमनार/मूक पत्रिका

तमनार रेंज के झींगोल परिसर अंतर्गत कक्ष क्रमांक 838 आरक्षित वन क्षेत्र में शनिवार दोपहर लगभग 2 बजे एक मादा शावक हाथी का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। झींगोल परिसर रक्षक से घटना कि सूचना मिलते ही उपवनमंडलाधिकारी घरघोड़ा आशुतोष मंडावा परिक्षेत्र अधिकारी तमनार विक्रांत कुमार और वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचे । प्रारंभिक जांच में घटनास्थल के आसपास हाथियों के पैरों के ताजा निशान, मल-मूत्र के चिन्ह पाए गए, जिससे स्पष्ट होता है कि शावक के साथ हाथियों का झुंड मौजूद था।

जमीन पर बने खरोंच और घसीटने के निशानों से यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि अन्य हाथियों ने शावक को उठाने या हिलाने-डुलाने का प्रयास किया होगा। वन विभाग की सघन तलाशी के दौरान घटनास्थल पर किसी प्रकार की अवैध गतिविधि या संदिग्ध वस्तु के प्रमाण नहीं मिले हैं। विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा मौके पर किए गए प्रारंभिक परीक्षण के आधार पर शावक की मृत्यु कमजोरी या प्राकृतिक कारणों से होना प्रतीत हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों और डॉक्टरों की उपस्थिति में शावक का पोस्टमार्टम कराया गया है। उपवनमंडलाधिकारी घरघोड़ा आशुतोष मंडावा का कहना है कि मौत के सटीक कारणों का खुलासा विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट और लैब जांच के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल एहतियात के तौर पर क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और हाथियों के झुंड की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सीजी पीएससी प्री 2025 के परीक्षा का निरीक्षण किया

सारंगढ़ में बनाये गए 3 परीक्षा केंद्र, 1400 में से लगभग 239 अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी पीएससी) द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का रविवार को निरीक्षण किया। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में सारंगढ़ के शासकीय लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय सारंगढ़, सीपीएम महाविद्यालय और पीएमश्री सेजेस स्कूल सारंगढ़ को परीक्षा केन्द्र बनाया गया था,जिसमें 1440 कुल पंजीकृत अभ्यर्थियों में 1201 प्रथम पाली में अभ्यर्थी उपस्थित रहे एवं द्वितीय पाली में 1187 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

परीक्षा के दौरान सभी केन्द्रों में सीजी पीएससी के द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन कर परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव के सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हित में, सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में परीक्षा केंद्र बनाने से जिले और पड़ोसी जिले जिनके जिला मुख्यालय दूर है, उनके लिए समय की बचत और आवागमन में सुविधा हुई है। जिला प्रशासन सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा ऐसे ही प्रतियोगी परीक्षा के लिए जिला खनिज न्यास मद से फ्री कोचिंग जिले के युवाओं को दी जा रही है।

आयोग सदस्य डॉ. प्रवीण वर्मा ने किया निरीक्षण, दो पालियों में आयोजित हुई परीक्षा, 84 प्रतिशत से अधिक रही उपस्थिति

बेमेतरा के तीन केंद्रों में शांतिपूर्ण संपन्न हुई राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2025

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (छत्तक्ष्ट) द्वारा आयोजित राज्य लोक सेवा प्रारंभिक परीक्षाङ्क2025 आज रविवार को जिले में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली में सामान्य ज्ञान प्रश्नपत्र प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में अभिरुचि परीक्षा दोपहर 03:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक आयोजित की गई।

जिले में कुल 1374 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। प्रथम पाली में 1145 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 229 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में 1133 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए तथा 241 अनुपस्थित दर्ज किए गए। इस प्रकार दोनों पालियों में लगभग 84 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई।

तीन परीक्षा केंद्रों में सुव्यवस्थित संचाल–परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिले में तीन मुख्य परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, पीजी कॉलेज, कन्या महाविद्यालय, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय 7 केंद्र कोड 2501 में कुल 654 अभ्यर्थियों में से प्रथम पाली में 541 एवं द्वितीय पाली में 535 उपस्थित रहे।

केंद्र कोड 2502 में 360 में से प्रथम पाली में 292 तथा द्वितीय पाली में 289 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। इसी प्रकार केंद्र कोड 2503 में 360 में से प्रथम पाली में 312 एवं द्वितीय पाली में 309 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। सभी केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई थीं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं जैमर का उपयोग–परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों में जैमर लगाए गए थे, ताकि किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का दुरुपयोग न हो सके। आयोग द्वारा जारी 12 बिंदुओं के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया। पुलिस बल की तैनाती के साथ ही केंद्रों के आसपास सुरक्षा घेरा बनाया गया था, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सकी।

आयोग सदस्य डॉ. प्रवीण वर्मा ने किया औचक निरीक्षण–छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. प्रवीण वर्मा ने तीनों परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए जिला कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी पिंकी मनहर को बेहतर प्रबंधन के लिए धन्यवाद दिया। डॉ. वर्मा ने विशेष रूप से पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था एवं परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की सराहना की।

प्रशासनिक टीम रही मुस्तैद–नोडल अधिकारी पिंकी मनहर के नेतृत्व में संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में एसडीओपी विनय साहू, भूषण एक्का, तहसीलदार जयंत पाटेल सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मुस्तैदी से तैनात रहे।

जिला प्रशासन की सतर्कता, समन्वय और प्रभावी व्यवस्थाओं के चलते राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षाङ्क2025 जिले में पूर्णतः शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

सफलता की कहानी: 27 दिनों तक चिकित्सकों की देखभाल से नन्हीं जान को मिला नया जीवन

कोंडागांव/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी विजन के अनुरूप प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है, जिससे अब जिला मुख्यालयों पर ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रहे हैं। इसी का जीवंत उदाहरण जिला अस्पताल कोंडागांव की नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एसएनसीयू) में देखने को मिला, जहां एक गंभीर नवजात शिशु को नया जीवन मिला है।

कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के सतत निर्देशन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रेमलाल मंडावी के नेतृत्व में जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। आवश्यक संसाधनों, जीवन रक्षक उपकरणों एवं दवाइयों की उपलब्धता तथा नियमित मॉनिटरिंग के कारण आज एसएनसीयू दूरस्थ अंचलों के लिए आशा की किरण बन चुकी है।

ग्राम राकसबेड़ा, विकासखंड माकड़ी निवासी बो सुखदई मरकाम एवं चैतराम मरकाम के नवजात शिशु का जन्म 18 दिसंबर 2025 को शाम 5:28 बजे हुआ। जन्म के तुरंत बाद शिशु की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। 20 दिसंबर 2025 को शिशु को एसएनसीयू में भर्ती किया गया। जन्म के समय शिशु का वजन 2.70 किलोग्राम था तथा वह बर्थ एस्फिक्सिया, लगातार दौरे और संक्रमण जैसी जटिल समस्याओं से जूझ रहा था। गर्भावस्था के दौरान माता में गंभीर ओलिगोहाइड्राम्नियोस की स्थिति भी पाई गई थी।शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रुद्र कश्यप, डॉ. राजेश बघेल एवं डॉ. परोमिता सूत्रधार सहित एसएनसीयू की टीम ने शिशु का तत्काल उपचार प्रारंभ किया। प्रारंभिक दिनों में ऑक्सीजन सपोर्ट एवं एंटीबायोटिक दिए गए, परंतु अपेक्षित सुधार न होने पर पांचवें दिन शिशु को मैकेनिकल वेंटिलेशन पर रखा गया, जहां 12 दिनों तक गहन निगरानी में उपचार जारी रहा।उपचार के दौरान शिशु में सेप्सिस एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ब्लीडिंग जैसी जटिलताओं की पहचान हुई। चिकित्सकीय टीम ने तत्परता से उच्च श्रेणी के एंटीबायोटिक तथा आवश्यकतानुसार फ्लुकोनाजोल प्रदान किया। बार-बार आने वाले दौरों को नियंत्रित करने के लिए फेनोबार्बिटोन/फेनाइटोइन दवाएं दी गई। चिकित्सकों की विशेषज्ञता, संवेदनशीलता और सतत निगरानी ने इस नन्हीं जान को सुरक्षित रखा।लगातार 18 दिनों के गहन उपचार के बाद शिशु की स्थिति में सुधार होने लगा। स्थिर होने पर 19वें दिन से 10 दिनों तक कंगारू मदर केयर (केएमसी) प्रारंभ की गई, जिससे शिशु के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ। लगभग 27 दिनों के अथक प्रयासों के पश्चात शिशु को पूर्णतः स्थिर अवस्था में छुट्टी प्रदान की गई।प्रदेश सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप अब जिला स्तर पर ही उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे दूरस्थ अंचलों के नागरिकों को महानगरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही। कलेक्टर द्वारा जिला अस्पताल के एसएनसीयू की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए समय समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं और सतत मॉनिटरिंग भी की जा रही है। उक्त प्रकरण जिला अस्पताल के इकाई की नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल और सेवाओं एवं टीमवर्क का उदाहरण है।

भूमकाल दिवस: स्वर्गीय बंगू धाकड़ एवं स्वर्गीय घेनवा धाकड़ की 116वीं स्मृति में भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

बस्तर /मूक पत्रिका

विकास खंड के कुदाल गांव एवं परचनपाल स्थान पर भूपूजन तथा श्राद्धोत्सव के रूप में भूमकाल दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय सर्वसमाज के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री प्रति सम्मान, शौर्य एवं परंपरा की भावनाएं स्पष्ट रूप से देखने को मिलीं।इस अवसर पर स्वर्गीय बंगू धाकड़ एवं स्वर्गीय घेनवा धाकड़ को याद करते हुए उनकी 116वीं स्मृति दिवस मनाया गया। ये दोनों लोग वर्ष 1910 के भूमकाल क्रांति के दौरान अपनी स्वदेशी जमीन की रक्षा तथा अन्याय के खिलाफसंघर्ष करते हुए शहीद हुए थे। उनके बलिदान को याद करते हुए आज का दिन पूरे आदिवासी समाज तथा ग्रामीणों के लिए गौरव का दिन रहा।कार्यक्रम की शुरुआत भूमि पूजन एवं हवन-यज्ञ से हुई, जिसमें स्थानीय पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना की। उपस्थित लोगों ने 1910 के भूमकाल घटना की याद ताजा करते हुए यह संकल्प लिया कि बलिदानियों की दी गई आज़ादी एवं न्याय की भावना को याद रखा जाए और आने वाली पीढ़ियों को इसके बारे में बताया जाए।इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने कहा कि बंगू एवं घेनवा धाकड़ जैसे वीरों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा हेतु सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके अदम्य साहस ने आज के स्वतंत्र जीवन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि भूमकाल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, एकता और न्याय के लिए समाज को प्रेरित करने वाला दिन है।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों तथा पदाधिकारियों ने स्मृतिचिह्न पर पुष्पांजलि अर्पित की और दोनों बलिदानियों के जीवन व संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए संबोधन दिए। युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ते हुए उन्हें सामाजिक जागरूकता तथा संस्कृति के संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

समापन पर स्थानीय समाजसेवी संस्थाओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को आपसी भाईचारे, धैर्य और त्याग की भावना से जोड़ते हैं और यह याद दिलाते हैं कि न केवल 1910 की भूमि रक्षा, बल्कि आज के विकास में भी हम सबका योगदान आवश्यक है।

वरिष्ठ समाजसेवी ठा श्रवण सिंह का हालचाल जानने पहुंचे नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

ग्राम भैंसदा के पूर्व जिला सहकारी के नोडल अधिकारी ठा श्रवण सिंह के अस्वस्थ होने की सूचना मिलते ही नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत उनके गृह ग्राम भैंसदा पहुंचे और उनका हालचाल जाना। नेता प्रतिपक्ष महंत ने उनके परिवार सभी सदस्यों से मुलाकात किया और ठाकुर श्रवण सिंह से स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और उनके बेहतर एवं समुचित उपचार के लिए कहा एवं परिवार के लोगों को आश्वत किया कि इस कठिन समय में मैं आप सभी के साथ में हूं और जब भी मेरा किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़े तत्काल मेरे को फोन करके अवगत कराना करके बोल कांग्रेस संगठन उनके परिवार के साथ मजबूती से हमेशा खड़ा है। नेता प्रतिपक्ष महंत के घर पहुंचने से परिजनों एवं स्थानीय कार्यकर्ताओं के मन में सकारात्मक संदेश देखने को मिल और माननीय नेता प्रतिपक्ष के साथ में पहुंचे जांजगीर-चांपा विधानसभा के विधायक व्यास कश्यप वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रघुराज प्रसाद पांडेय जांजगीर-चंपा कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, प्रदेश सचिव प्रवीण पांडेय, नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति किशन कश्यप, ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस रामविलास राठौर, ग्रामीण अध्यक्ष गौरव सिंह, प्रवीण पांडे प्रदेश सचिव, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष भगवान दास गढ़वाल, सहसराम कार्स, डॉ परस शर्मा, ठाकुर बैरिस्टर छेदीलाल अकादमी के अध्यक्ष ठाकुर देवेश सिंह, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सेक्टर 6 ठा राजेश सिंह, युवा नेता ठाकुर प्रशांत सिंह (सरपंच) ठाकुर यानू सिंह संजू सिंह (शिक्षक) एवं तमाम कांग्रेस के नेता माननीय नेता प्रतिपक्ष के साथ सभी पहुंचे हुए थे

कलेक्टर आकाश छिकारा ने शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

खेल मैदानों का किया निरीक्षण, लाइब्रेरी में युवाओं से किया संवाद

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर आकाश छिकारा ने रविवार को जगदलपुर शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों का व्यापक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं, यातायात व्यवस्था तथा आम नागरिकों के लिए उपलब्ध सेवाओं की स्थिति, विभिन्न खेल मैदानों की व्यवस्थाओं, खेल सुविधाओं एवं रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ने हाता ग्राउंड, सिटी ग्राउंड, क्रीड़ा परिसर तथा इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम का निरीक्षण कर खेल सुविधाओं एवं रखरखाव की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने खेल गतिविधियों के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही खेल गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।निरीक्षण क्रम में कलेक्टर छिकारा ने लाला जगदलपुरी लाइब्रेरी पहुंचकर अध्ययनरत युवाओं से संवाद किया। उन्होंने युवाओं से उनकी तैयारी, अध्ययन संबंधी आवश्यकताओं एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को एकाग्रता एवं निरंतरता के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।निरीक्षण क्रम में कलेक्टर ने दशहरा पसरा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बस्तर दशहरा को समर्पित दशहरा पसरा स्थल में प्रदर्शित फोटो और भवन की अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने गोल बाजार, इतवारी बाज़ार सहित अन्य व्यस्त बाजार क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने बाजारों में स्वच्छता, यातायात प्रबंधन एवं व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा को दिए। निरीक्षण के दौरान टाउन हॉल एवं नालंदा परिसर का भी अवलोकन किया गया, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं नागरिक सुविधाओं में सुधार के निर्देश दिए। साथ ही गंगा मुंडा तालाब पहुंचकर तालाब की सफाई एवं संरक्षण संबंधी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने तालाब की जलस्तर एवं आसपास की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए नगर निगम को आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के जलस्त्रोतों के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

युवा नेतृत्व को मिली नई जिम्मेदारी: सृजन सिंह बने भाजयुमो जिला महामंत्री सुकमा

सुकमा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक विस्तार और आगामी कार्ययोजनाओं को गति देने की दिशा में भाजपा नेतृत्व ने एक बड़ा निर्णय लिया है। भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) जिला सुकमा की कार्यकारिणी में विस्तार करते हुए सृजन सिंह को जिला महामंत्री के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। सृजन सिंह की इस नियुक्ति से पूरे जिले के युवाओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है। उनकी सांगठनिक दक्षता और कार्यकर्ताओं के साथ उनके जीवंत जुड़ाव को देखते हुए यह माना जा रहा है कि उनके आने से जिले में युवा मोर्चा को एक नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार

नवनियुक्त जिला महामंत्री सृजन सिंह लंबे समय से भाजयुमो में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

उन्होंने समय-समय पर विभिन्न अभियानों, जन-सेवा कार्यों और युवाओं को भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह नियुक्ति संगठन के विस्तार और जनहित के कार्यों को नई गति प्रदान करने वाली साबित होगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ क्रमांक 264 में सुना 'मन की बात' का 131वां प्रसारण

कवर्धा/मूक पत्रिका

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार 22 फरवरी को प्रातः 11 बजे प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम की 131वीं कड़ी को कवर्धा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत भाजपा शहर मंडल के बूथ क्रमांक 264 में सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और कार्यक्रम के विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की। वक्ताओं ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देशवासियों से सीधे संवाद स्थापित करते हैं तथा समाज के विभिन्न प्रेरणादायी कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी के उदाहरणों को सामने लाते हैं। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष अशोक चंद्रवंशी, जिला महामंत्री मुकेश सिंह ठाकुर, जिला सामग्री व्यवस्था प्रभारी सुरेश दुबे तथा मंडल शहर उपाध्यक्ष कमलेश द्विवेदी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जनसहभागिता को बढ़ावा मिलता है। अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता शासन की योजनाओं एवं संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

15 स्थानों पर 'शिकायत पेटी' स्थापित, महिलाओं व छात्राओं को मिली गोपनीय शिकायत की सुविधा

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले मे बीते रविवार को महिलाओं, छात्राओं एवं आम नागरिकों की सुरक्षा और समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिले के 15 प्रमुख स्थानों पर शिकायत पेटी (स्द्धद्द क्ष्भ×) स्थापित की गई है। इसके माध्यम से अब कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायत या सूचना गोपनीय रूप से दर्ज करा सकेगा। पुलिस विभाग के निर्देशन में स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, बस स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर यह सुविधा शुरू की गई है। शिकायतकर्ता अपनी समस्या कागज पर लिखकर बंद लिफाफे में पेटी में डाल सकता है। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस प्रशासन के अनुसार शिकायत पेटी एवं व्हाट्सएप हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निराकरण वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार निर्धारित समय-सीमा में किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व छात्राओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना तथा क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधियोंकी जानकारी पर प्राप्त कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना है। पुलिस विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग कर अपनी समस्याएं एवं सूचनाएं साझा करें।

आस्था का सैलाब: 'सतनाम सद्भाव पदयात्रा' का आज गिरौदपुरी धाम में होगा भव्य समापन

कैबिनेट मंत्री एवं युवराजगुरु गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में आज होगा भव्य समापन: 'सतनाम सद्भाव पदयात्रा' गिरौदपुरी धाम की ओर अग्रसर

आरंग/मूक पत्रिका

कसडोल/लवन/रायपुरःसतनामी समाज के गुरु एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री व आरंग विधायक के नेतृत्व में रायपुर से प्रारंभ हुई विशाल 'सतनाम सद्भाव पदयात्रा' अपने पांचवें और अंतिम दिन की आध्यात्मिक यात्रा पर है। परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के सत्य और अहिंसा और समानता ,समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने वाली यह पदयात्रा आज अपने गंतव्य–पवित्र तपोभूमि गिरौदपुरी धाम पहुँचेगी। श्वेत ध्वज (जैतखाम) थामे हजारों श्रद्धालुओं का हुजूम आज बाबा जी के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त करेगा। यात्रा के पांचवें दिन का उत्साह चरम पर है। आज सुबह लवन से प्रस्थान के बाद पदयात्रा का कारवां निम्नलिखित पड़ावों से होकर गुजरेगाः कसडोल और छरछेदः यहाँ स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत की तैयारी है। ?छाछी, कटगी और अमोदीः इन क्षेत्रों में पदयात्रियों के लिए जलपान और विश्राम की व्यवस्था की गई है। मटिया और मड़वाः धाम के करीब पहुँचते ही यहाँ श्रद्धालुओं का जोश दोगुना होने की उम्मीद है। शाम तक पदयात्रा गिरौदपुरी धाम की पावन धरा पर प्रवेश करेगी, जहाँ बाबा गुरु घासीदास जी के दर्शन और 'सत्यनाम' के उद्घोष के साथ इस यात्रा का विधि विधान से समापन होगा। ?यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बन चुकी है। यात्रा मार्ग में हर जाति और वर्ग के लोग पदयात्रियों का स्वागत कर रहे हैं। पंथी नृत्य की गूंज और ÷बाबा जी के आशीर्वाद÷ के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। हजारों की संख्या में उमड़ी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए हैंः यातायात व्यवस्थाः लवन से गिरौदपुरी मार्ग पर वाहनों के आवागमन को सुव्यवस्थित करने के लिए पुलिस बल तैनात है। स्वास्थ्य सेवाएंः यात्रा के साथ एंबुलेंस और मेडिकल टीम चल रही है ताकि किसी भी पदयात्री को स्वास्थ्य संबंधी समस्या न हो। स्वयंसेवकों का योगदानः स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के स्वयंसेवक पेयजल, भोजन और ठहरने की व्यवस्था में दिन-रात जुटे हुए हैं। गिरौदपुरी धाम पहुँचने पर पदयात्री मुख्य जैतखाम की परिक्रमा करेंगे। इसके बाद गुरु के चरणों में मत्था टेककर प्रदेश की खुशहाली और शांति की कामना की जाएगी।

संपादकीय

फ्रांस से 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है।नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी।पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे। उसके बाद न्यूजीलैंड और फिर यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया। हाल में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का एलान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को घटाकर अठारह फीसद कर दिया। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ।इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपने उत्पादों के वास्ते दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने की हरसंभव कोशिश की तथा व्यापार समझौतों की शक्ल में उसके सफल नतीजे भी सामने आए। अब फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से भारत के व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सशक्तीकरण की संभावनाओं को और बल मिलेगा। भारत और फ्रांस ने परस्पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों और कंपनियों को अब दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आवागमन को नई गति मिलेगी।गौरतलब है कि फ्रांस की मदद से कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच-125 हेलिकाप्टरों के निर्माण के लिए कलपुर्जों को जोड़ने का कारखाना भी स्थापित किया गया है, जहां अब काम शुरू हो गया है। यहां दुनिया के ऐसे शक्तिशाली हेलिकाप्टर का निर्माण किया जाएगा, जो विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम होगा।द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और फ्रांस के बीच 'हैमर' मिसाइलों के उत्पादन को लेकर भी अहम समझौता हुआ है।

एक कहावत है, 'सिर मुंडाते ही ओले पड़े'। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान पहले देश की समस्याओं से दो-चार हों, या अमेरिका से? यह सवाल सबको परेशान किए हुए है। अंतरिम सरकार और अमेरिका के बीच हुए आपसी व्यापार समझौते ने बांग्लादेश की आर्थिक संप्रभुता पर सवाल उठाए हैं, खासकर व्यापार, ऊर्जा और सुरक्षा से जुड़े फैसलों में। मुहम्मद यूनुस की सलाह वाली अंतरिम सरकार को सिर्फ कुछ दिनों तक रहना था, उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव सुचारु रूप से कराने तक थी। इसलिए यह सवाल उठा है कि मुख्य सलाहकार अमेरिका से समझौता कैसे कर सकते थे! तारिक रहमान के शपथ लेने के बाद यों भी मुहम्मद यूनुस का नई सरकार से कोई लेना-देना नहीं रह जाता है।

यूनुस गए, शर्तें रह गईं, क्या अमेरिका से समझौते की कीमत चुकाएगा बांग्लादेश

(पुष्परंजन)

उन्होंने जल्दबाजी में अमेरिका से बाध्यकारी समझौता कैसे कर लिया? आलोचक कई बाध्यकारी शर्तों वाले प्रावधानों की ओर इशारा करते हैं, जो यह बताते हैं कि अगर बांग्लादेश वाशिंगटन की शर्तों पर नहीं चला, तो भारी शुल्क फिर से आयद हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, समझौते में डिजिटल कारोबार सुविधा के प्रावधानों को देखा जा सकता है। अमेरिका से हुए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश किसी ऐसे देश के साथ नया डिजिटल व्यापार समझौता करता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को खतरे में डालता है, तो वाशिंगटन इस समझौते को खत्म कर सकता है और बांग्लादेशी निर्यात पर 37 फीसद शुल्क फिर से लगा सकता है।

यही शुल्क दर अमेरिका ने अप्रैल 2025 में प्रस्तावित की थी। नए समझौते में कहा गया है कि अगर बांग्लादेश के साथ बातचीत से अमेरिकी चिंताओं का समाधान नहीं होता है, तो अमेरिका इस समझौते से हट सकता है। इसके बाद अगर वह 37 फीसद शुल्क फिर से लागू कर दे, तो यह इतना ज्यादा है कि बांग्लादेश का अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात तेजी से कम हो जाएगा।

यह एक महंगा सौदा है, क्योंकि यह दक्षिण एशियाई देश अपने निर्यात राजस्व का लगभग पांचवां हिस्सा अमेरिकी खरीदारों को बेचे जाने वाले कपड़ों और दूसरे सामान से कमाता है। एक तरह से डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते के जरिये बांग्लादेश को आर्थिक नकेल पहना दी है।

ऐसा लगता है कि नई सरकार के आने तक ट्रंप प्रशासन को सब्र नहीं था। और इसी वजह से यह आशंका जताई जा रही है कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वाइट हाउस के दबाव में काम कर रहे थे। यूनुस चाहते तो इस समझौते को कुछ दिन टाल सकते थे। नौ फरवरी को अंतरिम सरकार और ट्रंप प्रशासन के बीच हुआ समझौता बांग्लादेश को 'किसी ऐसे देश से कोई भी परमाणु संयंत्र, फ्यूल राड या संवर्धित यूरेनियम खरीदने से भी रोकता है, जो अमेरिका के जरूरी हितों को 'खतरे में' डालता है।'

बांग्लादेश ने अतीत में जो समझौते किए, उसे जारी रखने में कोई बाधा नहीं है, लेकिन नए समझौतों में उसे अमेरिकी हितों का ध्यान रखना होगा। उदाहरण के लिए रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। इसमें दो रिएक्टर हैं। यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र ढाका से लगभग 160 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम

में पद्मा नदी के किनारे ईश्वरदी उपजिला के रूपपुर में बन रहा है। रूसी सहयोग से यह बांग्लादेश का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र होगा। इसकी दो इकाइयों में से पहली इकाई मार्च 2026 में चालू होने की उम्मीद है।

समझौते से पता चलता है कि रूसी स्टेट कार्पोरेशन रोसाटाम के जरिए रूसी तकनीक और वित्तीय सहायता से बने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए आपूर्ति जारी रहने में दिक्कत नहीं है, लेकिन भविष्य में किसी भी परमाणु परियोजना पर कड़ी जांच हो सकती है। इस मसले पर बांग्लादेश के कुछ विशेषज्ञों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यह समझौते का सबसे जरूरी और विवादित हिस्सा है, क्योंकि यह हमारी संप्रभुता पर सवाल उठाता है।

अब अगर अमेरिका बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौते को आसान बनाने और बढ़ाने के लिए काम करेगा, तो इससे बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है। दरअसल, यह समझौता दुर्लभ भू-धातुओं की खोज, उसे निकालने, उसे तैयार करने, भेजे जाने, वितरित करने और निर्यात करने के लिए अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता भी खोलता है। यही नहीं, समझौता यह भी सुनिश्चित कर गया कि बांग्लादेश को साढ़े तीन अरब डालर के अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने होंगे। इसमें पांच वर्ष तक हर साल कम से कम सात लाख टन गेहूं, 1.25 बिलियन डालर मूल्य के 2.6 मिलियन टन सोया और सोया उत्पाद और कपास खरीदने होंगे। बांग्लादेश को शुरू में 14 बोइंग एयरक्राफ्ट और 15 साल में 15 बिलियन की तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) भी खरीदनी होगी।

इसके अलावा, अमेरिकी सैन्य साजो-सामान की ज्यादा खरीद करनी होगी और कुछ देशों से रक्षा उपकरण की खरीद पर सीमा भी लगानी होगी। इस संदर्भ में देखें तो विशेषज्ञों की यह आशंका समझी जा सकती है कि यह मुक्त व्यापार के बजाय थोपी हुई जिम्मेदारी ज्यादा है। यह असल में अमेरिकी कंपनियों और वहां के किसानों के लिए मुनाफे को पक्का करता है। इस संदर्भ में 'साउथ एशियन नेटवर्क आन इकोनामिक माडलिंग' की ओर से उठाई गई चिंता भी गौरतलब है कि बांग्लादेश को सस्ते विकल्प मौजूद होने पर भी ज्यादा महंगा सामान खरीदने के लिए मजबूर किया जा सकता है। इससे बांग्लादेश के विदेशी लेनदेन पर और दबाव पड़ेगा। सवाल है कि फिर बांग्लादेश एयरक्राफ्ट खरीदने और ऊर्जा आयात के लिए पूंजी कैसे लगाएगा? स्वाभाविक तौर पर इससे विदेशी ऋण पर निर्भरता बढ़ने का खतरा है। ऐसी चिंताएं भी सामने आई हैं कि अमेरिका से समझौते के बाद बांग्लादेश को अब कच्चे माल के लिए चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी। कुल मिलाकर, 'यूनुस गए, मगर समस्या छोड़ गए' वाली स्थिति पैदा हो चुकी है। मुहम्मद यूनुस को 'अमेरिका के करीबी' के तौर पर देखा जाता रहा है। इस तथ्य की पुष्टि के लिए बिल क्लिंटन परिवार से उनकी निकटता के कई उदाहरण दिए जाते हैं। हालांकि यह भी एक सार्वजनिक तथ्य है कि यूनुस का अकादमिक करिअर अमेरिका में बना। बिल क्लिंटन ही नहीं, बाद के राष्ट्रपतियों, जो बाइडन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक से उन्होंने बेहद करीबी संबंध बनाए रखा। इन अन्योन्याश्रय संबंधों का फायदा उनके परिवार को मिलने के भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। सच यह है कि मुहम्मद यूनुस ने अपने कार्यकाल में जो कुछ किया, उसकी सही से जांच हो, तो कई नकारात्मक सूचनाएं भी लोगों को निराश करेंगी। मगर जो सकारात्मक पक्ष है, वह यह है कि बांग्लादेश में समय पर शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव हो गया। यह दीगर बात है कि तेरह फरवरी को बांग्लादेश में चुनाव के नतीजे आने के ठीक बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के विशेष सहायक फैज अहमद तैयब जर्मनी चले गए। इस 'अचानक प्रस्थान' ने यूनुस के साथियों के 'सुरक्षित निकलने' की बातों को पुख्ता करना शुरू कर दिया है। अब आशंका यह भी जताई जा रही है कि क्या मुहम्मद यूनुस भी अमेरिका या यूरोप के किसी देश में जाने की तैयारी में हैं!

सेना को ताकतवर बनाती एआई तकनीक

(राज शुक्ला)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीक अब सैन्य क्षेत्र में भी पीढ़ीगत बदलाव का वाहक बन गई है। यह सामरिक क्षमताओं को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। हम फिलहाल एआई, साइबर, क्वांटम जैसी प्रौद्योगिकी के तूफान से गुजर रहे हैं, जिसकी जद में वैश्विक व्यवस्था और सुरक्षा, दोनों हैं। कैसे? एक उदाहरण से समझाने की कोशिश करता हूं।

यूक्रेन में अमेरिकी एआई कंपनी पैलांटिर ने एआई पर आधारित गोथम कमांड और कंट्रोल सॉफ्टवेयर तैनात किया है, जो सैटेलाइट डाटा, सोशल मीडिया पोस्ट, सैनिकों के 'वाइड एरिया नेटवर्क', यानी डब्ल्यूएएन उपकरण, रेडियो फिक्वेंसी आदि सबका विश्लेषण करता है और करीब 1,000 किलोमीटर लंबी उसकी सरहद की रक्षा करता है। यह सुरक्षा तंत्र इस कदर मजबूत है कि सीमा पर कोई भी हरकत हुई, तो घुसपैठिए की पहचान करने से लेकर ढेर करने में उसे सिर्फ छह से सात मिनट का वक्त लगता है। यह एआई तकनीक पर आधारित है और ड्रोन से लैस भी।

भारत में भी इस प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की मांग गलत नहीं है, खास तौर से नियंत्रण रेखा (एलओसी) और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर। इसके लिए एआई, ड्रोन, थ्रीडी प्रिंटिंग, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आदि सबका 'कोलाज' बनाना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है कि यदि मैक 6 या मैक 7 की गति से कोई हाइपरसोनिक मिसाइल हमारी सीमा की तरफ बढ़ रही हो, जो एआई की मदद से स्वत:-लक्ष्य को नष्ट करने में सक्षम हो, तो मानव संचालित गति से उसका जवाब नहीं दिया जा सकता, बल्कि एआई युक्त उपकरणों से ही हम माकूल जवाब दे सकते हैं।

हम दो विकल्पों की ओर बढ़ सकते हैं। एक, एआई सक्षम तकनीक में इंसान 'लूप' में रहे, यानी फैसले लेने की प्रक्रिया में इंसानी दखल हो, और दूसरा- तकनीक में कोई मानवीय हस्तक्षेप न रहे। मेरा मानना है कि जब आक्रमण और बचाव के बीच जंग होती है, तब इंसान अगर जवाबी प्रक्रिया से बाहर रहे, तो प्रतिक्रिया कहीं अधिक तेज हो सकेगी। इससे जवाबी हमले कहीं अधिक मारक और सधे हुए होंगे।

जाहिर है, एआई का फिलहाल कोई दूसरा विकल्प नहीं है। अमेरिका का उदाहरण देखिए। उसने अपने दो कमान चुने- यूनाइटेड स्टेट्स इंडो-पैसिफिक कमांड (इंडोपैकॉम) और यूरोपीय कमान (ईयूकॉम)। इनके लिए उसने लार्ज लैंग्वेज मॉडल बनाने का अनुबंध किया माइक्रोसॉफ्ट के साथ, एजेंटिक एआई का अनुबंध स्केल एआई कंपनी के साथ और डिफ्यूजन एआई का ठेका दिया एंडुरिल कंपनी को। तीनों एआई क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां हैं। इनको कहा गया है कि वे न सिर्फ अमेरिका का, बल्कि दुश्मन देशों के डाटा का भी विश्लेषण करें और सुरक्षा-व्यवस्था को एआई से लैस करें। आज अमेरिका अगर एआई-आधारित सुरक्षा-व्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका में है, तो इसकी वजह समझी जा सकती है।

दिक्कत यह है कि रक्षा बजट को हम 'पूंजी' व 'राजस्व' के चश्मे से देखने के आदी हो गए हैं। जबकि, हमें यह देखना चाहिए कि एआई, क्वांटम या नई प्रौद्योगिकी को आत्मसात करने पर हम कितना खर्च कर रहे हैं? राफेल जैसे विमान हमारी सुरक्षा व्यवस्था को तभी मजबूत बना सकते हैं, जब वे एआई से सक्षम और आधुनिक तकनीक से लैस हों। यह 'सॉफ्टवेयर आधारित युद्ध' का दौर है। इसमें वही देश आगे रहेगा, जो नई-नई प्रौद्योगिकी में न सिर्फ निवेश करेगा, बल्कि उनको खुले दिल से अपनाएगा। हमें अब 'तकनीक-प्रथम सेना' की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। एआई के मामले में वैश्विक तौर पर अमेरिका और चीन, दो ताकतवर देश हैं। अमेरिका जहां कंप्यूटिंग और हार्डवेयर का सरताज है, वहीं चीन की ताकत सॉफ्टवेयर और ऊर्जा है। वह हर दिन एक गीगावाट बिजली की उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है। उधर, अमेरिका में हर दिन एक अरब डॉलर का निवेश किया जा रहा है। हम फिलहाल उनकी बराबरी नहीं कर सकते, लेकिन तकनीक के जरिये बचाव के उपाय जरूर तलाश सकते हैं। हमारे पास भरपूर प्रतिभा है, राजनीतिक इच्छाशक्ति भी है, हमें सिर्फ अपने नौकरशाहों की नीयत ठीक करनी होगी। अगर ऐसा कर सके, तो अगले पांच-सात साल में हम काफी विकसित हो जाएंगे। 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक पहुंचते-पहुंचते हम शीर्ष वैश्विक सैन्य ताकत भी बन सकते हैं। (लेखक लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आभासी दुनिया का भटकाव और वास्तविक जीवन से पलायन, क्यों कमजोर हो रहा है बालमन?

ऐसा कौन-सा दबाव है कि मौत उन्हें मुक्ति का मार्ग लगने लगती है। हंसने-खिलखिलाने की उम्र में किन बातों का तनाव आ घेरता है कि बच्चे जिंदगी से पलायन करने की राह चुनते हैं? किसी भी समाज के लिए इससे भयावह कुछ नहीं हो सकता कि बच्चे हंसते हुए बड़ी सहजता से जीवन का साथ छोड़ने लगें। कुछ समय पहले नोएडा में सत्रह साल के एक किशोर ने पंद्रहवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले सीसीटीवी फुटेज में वह बच्चा लिफ्ट से ऊपर जाते हुए 'विक्ट्री साइन' यानी जीतने का भाव दर्शाता दिखा।

(मोनिका शर्मा)

उसने अपनी मां को संदेश भेजकर खुदकुशी जैसा कदम उठाने और अभिभावकों को पीड़ा देने के लिए क्षमा भी मांगी। यह व्यवहार हर संवेदनशील व्यक्ति को भयभीत करने वाला है। साथ ही यह बाल मनोविज्ञान को लेकर बहुत से प्रश्न भी उठाता है। आखिर मौत को चुनने में एक बच्चे को अपनी जीत क्यों दिख रही है? इस ऊर्जावान उम्र में वह जीवन से हारकर किससे जीत रहा है?

कुछ समय पहले अहमदाबाद के एक स्कूल में सोलह वर्ष की बच्ची हंसते हुए अपनी कक्षा से बाहर निकली और हाथ में चाबी का गुच्छा घुमाते हुए बड़ी सहजता से उसने स्कूल की चौथी मंजिल से अचानक छलांग लगा दी। इस तरह की कई घटनाएं सामने आईं, जो बताती हैं कि नई पीढ़ी को समझने और समझाने में कहीं तो चूक हो रही है। ऐसा कौन-सा दबाव है कि मौत उन्हें मुक्ति का मार्ग लगने लगती है। हंसने-खिलखिलाने की उम्र में किन बातों का तनाव आ घेरता है कि बच्चे जिंदगी से पलायन करने की राह चुनते हैं? सबसे बड़ी चिंता यह है कि उनकी उलझन व्यवहार और विचार की सतह पर नहीं दिखती। समय रहते हल खोजा जाए, इसका अवसर ही नहीं मिलता। बहुत से माता-पिता जीवन भर यह नहीं समझ पाते कि बच्चे ने खुदकुशी का रास्ता आखिर चुना ही क्यों!

निस्संदेह, बच्चों के जीवन का अंत करने की मानसिकता का दायरा फैलना समग्र समाज को चिंता में डालने वाला है। आत्महत्या के ऐसे मामले आक्रोश में जिंदगी का साथ छोड़ने वाला कदम उठा लेने वाली घटनाओं से बिल्कुल अलग हैं। बच्चों का सोच-समझकर माता-पिता के लिए संदेश लिखकर, संयत दिखते हुए अपनी जान देना पारिवारिक परिवेश से लेकर शैक्षणिक और सामाजिक हालात तक, सभी को कठघरे में खड़ा करता है। यहां जरा ठहरकर बच्चों के बदलते मनोविज्ञान को समझने और आंकड़ों से परे गहराई से बड़े होते बच्चों की अनुभूतियों को समझने की आवश्यकता है। बच्चों का यह अप्रत्याशित व्यवहार हर किसी को असहज करने वाला है।

इन घटनाओं से जुड़े सवाल अभिभावकों के मन को उम्र भर कचोटते हैं। कई लोगों को किसी मासूम बच्चे द्वारा ऐसा अतिवादी कदम उठा लेने के बाद भी ऐसे वाकये अविश्वसनीय से लगते हैं। यही कारण है कि इन घटनाओं के पीछे छिपे कारण स्पष्ट रूप से समझना भी मुश्किल होता जा रहा है। अभिभावक हों या शिक्षक, बच्चों के मन की थाह लेना सचमुच बहुत कठिन हो गया है।

देखने में आता है कि बच्चों के बौद्धिक विकास को अहम मानने वाले सामाजिक-पारिवारिक माहौल में उन्हें भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने को लेकर नहीं सोचा जाता। ऐसी घटनाएं

बताती हैं कि स्कूल परिसर हो या आस-पड़ोस का परिवेश, बच्चों को मानसिक और भावनात्मक रूप से सबल बनाना आवश्यक है। कम से कम अपने मन की कुंठा, तनाव या किसी के व्यवहार से उपजी शिकायतों को अभिभावकों से साझा करना हर बच्चे को सिखाया जाए। कड़ी प्रतियोगिता के इस दौर में बच्चे असहाय महसूस करने लगे हैं। अभिभावकों की महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ तो दूसरी ओर चमक-दमक भरी आभासी दुनिया का भटकाव। आभासी संसार से जुड़े खेल तक जान देने का कारण बन गए हैं।

विचारणीय है कि हर ओर से अपने हिस्से आ रहे मानसिक दबाव के कारण बच्चे जाने-अनजाने अवसाद और अकेलेपन से घिर जाते हैं। साथ ही सोशल मीडिया की छवि से लेकर आम जीवन, हमउम्र बच्चों से तुलना और दबाव की स्थितियां छोटे-छोटे बच्चों के मन को अनगिनत उलझनों के घेरे में ला रही हैं। एक आंकड़े के मुताबिक, 2019-2023 के बीच ऐसी घटनाओं में 34.4 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है।

असल में भावनात्मक बोझ उठाता बालमन आज कई परेशानियों के बीच बड़ा हो रहा है। अभिभावकों के अलगाव से लेकर पारिवारिक समस्याओं और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने से लेकर जीवन से जुड़े हर पहलू पर दबाव झेलना अब बहुत से बच्चों की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। पीछे छोड़े आत्महत्या नोट में इस तरह के दबाव और तनाव की स्थितियों का खुलासा होता है। कैसी विडंबना है कि आत्महत्या जैसा कदम उठाने से पहले कोई बच्चा मन की बात नहीं बता पाता है, तो किसी बच्चे की उलझती मन:स्थिति को समझने में बड़ों से चूक हो जाती है।

बीते कुछ वर्षों से अभिभावक, शिक्षक, बच्चों के मन को समझने का प्रयास करते हैं। सहयोगी रवैया अपनाते हैं। अंकों की दौड़ में आगे रहने से कहीं ज्यादा जीवन सहेजने का भाव बड़ों में भी आया है। इसके बावजूद खुलेपन, आभासी संसार की मौजूदगी और मानसिक मोर्चे पर बिखराव के कारण बच्चों में आत्मघाती विचार जड़ें जमा रहे हैं। तकनीक के भंवर में उलझे बच्चे भावनात्मक रूप से अस्वस्थ भी हो रहे हैं। बुनियादी रूप से उनकी मन:स्थिति वास्तविक जीवन को समझने से दूर हुई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, पांच में से एक बच्चा मानसिक रूप से कमजोर है। भावनात्मक दुर्बलता और अति संवेदनशीलता बच्चों को असुरक्षा, भय, अवसाद, आत्म-अभिव्यक्ति की असमर्थता और आत्मविश्वास की कमी का शिकार बना देती है। समझना आवश्यक है भावनात्मक असंतुलन का बच्चों को घेरती किसी बुरी आदत या लत से सीधा संबंध होता है। इनका जाल भी कई बार आत्मघात के हालात बना देता है। ऐसे में संस्थागत, पारिवारिक और सामाजिक- हर पहलू पर बालमन को समझने के प्रयास आवश्यक हैं। बच्चों मे बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए बड़ों का सजग और बालमन का आत्म-जागरूक होना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

सैमसंग ने One UI 8.5 के साथ पेश किया नया Bixby

गुरुग्रामः सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज Bixby के अपने नवीनतम वर्ज़न के बीटा प्रोग्राम की शुरुआत की घोषणा की। अब Bixby को एक 'कन्वर्सेशनल डिवाइस एजेंट' के रूप में अपग्रेड किया गया है। इस अपडेट के बाद गैलेक्सी डिवाइसेस के साथ तालमेल बिठाना और भी आसान हो जाएगा, क्योंकि यूज़र्स अपनी ज़रूरत की बात अपनी आम बोलचाल की भाषा में कह सकते हैं। इसके साथ ही, अब यह ओपन वेब के ज़रिए ताज़ा और सटीक जानकारी भी उपलब्ध कराएगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (MX) बिज़नेस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, वोन-जून चोई ने कहा, जब हमने 2024 में अपना पहला AI फोन पेश किया था, तभी से हमारी प्रतिबद्धता इसे उपयोग में इतना आसान बनाने की रही है कि अधिक से अधिक लोग AI का लाभ उठा सकें। इसीलिए हमने डिवाइस एजेंट को सीधे यूज़र अनुभव का हिस्सा बनाने का फैसला किया। हमने Bixby को इस तरह दोबारा तैयार किया है कि यह अधिक स्वाभाविक तरीके से बातचीत कर सके और फोन को सहजता से कंट्रोल कर सके, जिससे रोज़मर्रा के कामों की मुश्किलें कम हो जाएं।

सहज बातचीत के ज़रिए फोन कंट्रोल करना हुआ आसान- अब Bixby की मदद से गैलेक्सी फोन को साधारण बोलचाल की भाषा में कंट्रोल किया जा सकता है। आपको किसी खास सेटिंग का सटीक नाम याद रखने या कमांड सीखने की ज़रूरत नहीं है। मेन्यू की बनावट को समझने या तकनीकी शब्दों को याद रखने की भी ज़रूरत नहीं है; आप बस अपनी ज़रूरत को अपने शब्दों में बता सकते हैं—या यह पूछ सकते हैं कि आपके फोन में कोई बदलाव क्यों हो रहा है। Bixby आपके इरादे को समझता है और उसी के अनुसार उचित कदम उठाता है। इससे रोज़मर्रा की सेटिंग्स और फीचर्स को संभालना बहुत सरल हो जाता है और समय भी बचता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई यूज़र कहे, मैं नहीं चाहता कि जब मैं स्क्रीन देख रहा हूँ तो वह अपने आप बंद हो जाए, तो Bixby तुरंत इस बात को समझ लेता है और Keep Screen on While Viewing सेटिंग चालू कर देता है। इसके लिए यूज़र को न तो सेटिंग्स में जाकर फीचर को खोजने की ज़रूरत पड़ती है और न ही उसका सटीक नाम जानने की। सिर्फ सामान्य निर्देश देने के बजाय, Bixby अब फोन की मौजूदा सेटिंग्स को खुद पहचान सकता है और उसी के आधार पर सही समाधान सुझा सकता है। इससे यूज़र को बार-बार सेटिंग्स के साथ छेड़छाड़ करने की ज़रूरत नहीं पड़ती और काम जल्दी पूरा हो जाता है, भले ही यूज़र को फोन के सभी फीचर्स की जानकारी न हो। अगर कोई पूछे, मेरा फोन जेब में होने पर भी स्क्रीन हमेशा चालू क्यों रहती है? तो Bixby स्थिति को समझकर उससे जुड़ी सेटिंग्स जैसे Accidental Touch Protectio' को यूज़र के सामने ले आएगा, जहाँ से उसे सीधे ऑन किया जा सकेगा।

सैमसंग इंडिया ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन को 'प्री-रिजर्व' करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने आगामी एआई स्मार्टफोन को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को 256त्नक्च से 512त्नक्च तक का मेमोरी अपग्रेड मुफ्त (कॉम्प्लिमेंट्री) दिया जाएगा। सैमसंग का अगला एआई फोन 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को,कैलिफोर्निया में आयोजित होने वाले 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट में पेश किया जाएगा। ग्राहक 25 फरवरी तक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि जमा करके नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन की सुविधा Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है।

जेके कॉलेज के एनएसएस विद्यार्थियों का विशेष शिविर आयोजित

बिलासपुर। जे.के. एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑफसाइंस, आर्ट्स एंड कॉमर्स के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 7 दिवसीय विशेष शिविर के पाँचवें दिवस का शुभारंभ योग सत्र से हुआ। योगाचार्य श्री विनोद डहरिया जी ने स्वयंसेवकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा स्वस्थ जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने परियोजना कार्य के अंतर्गत घर-घर जाकर महिला सशक्तिकरण, जल संरक्षण तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं के योगदान के विषय में ग्रामीणों को जागरूक किया। बौद्धिक परिचर्चा सत्र में भारत स्काउट एवं गाइड, बिलासपुर की जिला संगठन आयुक्त (गाइड) डॉ. पूनम सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिमतरी के व्याख्याता डॉ. प्रदीप निर्णेजक, जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री महेंद्र बाबू टंडन तथा जे.के. साइंस, आर्ट्स एवं कॉमर्स पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सलीम खोखर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने दिलाई शपथ

नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा प्रेस क्लब बिलासपुर

बिलासपुर। प्रेस क्लब बिलासपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री अरुण साव ने नई टीम को शपथ दिलाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने की। विशेष अतिथियों के रूप में कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, नगर निगम सभापति श्री विनोद सोनी तथा नेता प्रतिपक्ष श्री भरत कश्यप उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न चुनाव में श्री अजीत मिश्रा प्रेस क्लब बिलासपुर के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उपाध्यक्ष पद पर श्री विजय क्रांति तिवारी, सचिव श्री संदीप परिहार, कोषाध्यक्ष श्री किशोर कुमार सिंह, सह सचिव श्री हरिशंकर गंगवानी तथा कार्यकारी सदस्य के रूप में श्री कैलाश यादव चुने गए हैं। मुख्य अतिथि एवं उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और एकजुटता के साथ यह टीम बिलासपुर का नाम और ऊंचा करेगी। उन्होंने कहा कि बिलासपुर प्रेस क्लब से अनेक वरिष्ठ पत्रकार निकले हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर बिलासपुर को पहचान बनाई है। नई

टीम इस गौरव को और आगे बढ़ाएगी। उन्होंने पत्रकारिता को चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बताते हुए कहा कि इसमें निरंतर मेहनत, प्रतिबद्धता और निष्पक्षता की आवश्यकता होती है। बड़ी संख्या में जुड़े नए पत्रकारों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने इसमें राष्ट्रीय स्तर के पत्रकारों को भी आमंत्रित करने का सुझाव दिया। उप मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि बिरकोना स्थित पत्रकार कॉलोनी में सड़क निर्माण के लिए 8 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। साथ ही प्रेस क्लब भवन के कायाकल्प का कार्य भी प्रगति पर है। उन्होंने न्यायधानी की गरिमा के अनुरूप प्रेस क्लब को मजबूत बनाने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ प्रेस को माना गया है। मीडिया न केवल राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखती है, बल्कि बिलासपुर के हितों के लिए संघर्ष में भी अग्रणी भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि प्रेस द्वारा उठाए गए मुद्दों पर राजधानी रायपुर में उच्च स्तरीय बैठकों में चर्चा कर निर्णय लिया जाना इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है विधायक श्री अटल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रेस क्लब केवल समाचार प्रकाशन तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय हितों की रक्षा में भी सक्रिय भूमिका निभाती है। बिलासपुर में रेलवे जोन और केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना में प्रेस क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विधायक सुशांत शुक्ला ने प्रेस क्लब की निष्पक्ष पत्रकारिता की सराहना करते हुए कहा कि बिलासपुर को उसका वाजिब हक दिलाने में मीडिया ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नव निर्वाचित प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री अजीत मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। उपाध्यक्ष श्री विजय क्रांति तिवारी ने आभार व्यक्त किया। गरिमामय आयोजन में बड़ी संख्या में पत्रकार, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह ने प्रेस क्लब की नई टीम के प्रति विश्वास और अपेक्षाओं को नई दिशा दी।

ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे सुरक्षा बल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल मदद के माध्यम से यात्रियों को किया जा रहा है मदद

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रेल यात्रियों, रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ ही साथ अपने सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कर रही है । रेलवे सुरक्षा बल द्वारा कर्तब्यनिष्ठा से जरूरतमंद यात्रियों, महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ यात्रियों एवं उनके कीमती सामानों की सुरक्षा के किए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है । इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ़), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ऑपरेशन अमानत अभियान के तहत किए गए सराहनीय कार्यों किया गया गया है । रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के तीनों मंडलों (बिलासपुर, रायपुर, नागपुर) द्वारा यात्री ट्रेनों और स्टेशनों में भूलवश

छोड़े गए सामानों को ''ऑपरेशन अमानत'' के तहत रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा यात्रियों को सुपुर्द किया जाता है । रेलवे सुरक्षा बल को रेल मदद, ट्वीटर या अन्य माध्यमों से रेल यात्रियों के भूलवश छूटे सामानों की जानकारी सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को मिलती है, सुरक्षा नियंत्रण कक्ष में तैनात स्टाफ के द्वारा यात्रियों के दिए गए मोबाईल से संपर्क कर उनके ट्रेन नम्बर, कोच नम्बर या स्टेशनों की जानकारी प्राप्त कर अगले आने वाले रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट को सूचित किया जाता है, संबधित रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट द्वारा यात्री के द्वारा बताए अनुसार कोच/स्थान में पहुंचकर उनके छुटे हुए सामान को प्राप्त कर यात्री को सूचित किया जाता है और यात्री रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट में पहुच कर अपने कीमती सामान को प्राप्त करता है । यात्रियों द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के इस सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा एवं धन्यवाद दिया जाता है ।

'रेलवन' ऐप के माध्यम से यात्री सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एवं एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार

बिलासपुर। भारतीय रेलवे यात्री सुविधाओं को और अधिक सुगम, आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए निरंतर नवाचार की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में, यात्रियों को एक ही एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'रेलवन' ऐप का विस्तार किया जा रहा है । इस नवाचार का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को अलग-अलग ऐप्स की जटिलताओं से मुक्त कर एक 'यूनिफाइड प्लेटफॉर्म' प्रदान करना है, जहाँ अनारक्षित टिकटिंग सहित समस्त यात्री सेवाएं प्राथमिक केंद्र के रूप में उपलब्ध रहेंगी । सुगम ट्रांजिशन सुनिश्चित करने के लिए रेलवे द्वारा इस एकीकरण को चार चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है । प्रथम चरण के अंतर्गत यूटीएस ऐप पर नए पंजीकरण और वेबसाइट सेवाओं को सीमित कर दिया गया है, जबकि मौजूदा उपयोगकर्ताओं के आर-वालेट को सुरक्षित रूप से 'रेलवन' वॉलेट में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। वर्तमान में दोनों ऐप्स क्रियाशील रखे गए हैं ताकि यात्री बिना किसी बाधा के अपनी सुविधानुसार नए प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो सकें । एकीकरण के अगले चरणों में सीजन टिकट धारकों की सुविधा और डेटा सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। द्वितीय चरण के दौरान पुराने ऐप पर सीजन टिकट बुकिंग को सीमित करते हुए यात्रियों को 'रेलवन' ऐप अपनाने हेतु निरंतर प्रेरित किया जा रहा है, जिसके लिए ऐप के भीतर ही 'वन-टाइम ट्रांसफर' का विकल्प उपलब्ध कराया गया है । इसके पश्चात, तृतीय एवं चतुर्थ चरण में समस्त बुकिंग कार्यक्षमता को पूरी तरह से 'रेलवन' प्लेटफॉर्म पर केंद्रित कर दिया जाएगा, जहाँ यात्रियों के सक्रिय टिकट और वॉलेट बैलेंस स्वत: ही उपलब्ध रहेंगे । यदि किसी यात्री का सक्रिय टिकट पुराने ऐप में प्रदर्शित नहीं होता है, तो वे 'रेलवन' ऐप में लॉगिन कर उसे प्राप्त कर सकेंगे । रेलवे प्रशासन इस डिजिटल एकीकरण के माध्यम से यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाओं, बेहतर यूजर इंटरफेस और एक सुदृढ़ डिजिटल ईकोसिस्टम प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। 'रेलवन' प्लेटफॉर्म का यह विस्तार भविष्य की सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी रेल टिकट प्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने जनदर्शन में सुनीं समस्याएं,त्वरित कार्रवाई के निर्देश....

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज नेहरू चौक बिलासपुर स्थित अपने शासकीय कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में सैकड़ों नागरिकों से मुलाकात कर उनकी सामुदायिक एवं व्यक्तिगत समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी मांगों और शिकायतों को सीधे उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। श्री साव ने प्रत्येक आवेदन को इत्मीनान के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में प्रगतिशील युवा स्वर्णकार समाज, बिलासपुर के प्रतिनिधियों ने सामाजिक भवन में हो रहे कथित अवैध निर्माण को रोकने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए आवेदन सौंपा। वहीं

ग्राम पंचायत डेका के सरपंच ने लाल खदान से दर्रीघाट तक डिवाइडर में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग रखी, ताकि क्षेत्र में आवागमन सुरक्षित हो सके। देसहा कुर्मी क्षेत्रीय महासभा सेमरसेल मुंगेली के अध्यक्ष कलेश्वर कश्यप ने सेमरसल में कुर्मी समाज के सामुदायिक भवन की स्वीकृति हेतु ज्ञापन दिया। प्रेस कर्मचारी संघ के महासचिव तेरस यादव ने अपने पुत्र की उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने का निवेदन किया इस दौरान पद्मश्री सम्मानित रामलाल बरेठ ने शिष्यों द्वारा अपनी 90वीं वर्षगांठ पर आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम के लिए आमंत्रण दिया। नगर पालिका निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 54 की पार्षद रानी देवांगन ने पुराना तालाब, चिंगराजपारा के सौंदर्यीकरण के लिए ज्ञापन दिया। इसके अतिरिक्त श्री राम जानकी कल्याण सेवा समिति सेमरसल हाई स्कूल एवं मेला स्थल में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की मांग उठाई। क्षेत्र में लंबे समय से लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य ही आम जनता को त्वरित राहत दिलाना है और सरकार जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है।

द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर जोनल कार्यालय में क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता संपन्न

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर, मुख्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा आज दिनांक 20 फरवरी, 2026 को क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जोनल सभाकक्ष में हिंदी वाक्, हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें मुख्यालय सहित तीनों मंडलों तथा दोनों कारखानों में आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेता 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता में श्री शिवशंकर लकड़ा, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य सामग्री प्रबंधक - । मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे । प्रथम सत्र में हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हिंदी निबंध प्रतियोगिता में पहला विषय सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा का प्रयोग - उपलब्धियां तथा भावी संभावनाएं तथा दूसरा विषय पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन की आवश्यकता रखा गया था। द्वितीय सत्र में आयोजित हिंदी वाक् प्रतियोगिता के लिए पहला विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) - रोजगार पर मंडराता संकट या अवसर तथा दूसरा विषय प्रशासनिक कार्यों में हिंदी प्रयोग की चुनौतियां रखा गया था, जिसमें बिलासपुर नगर के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अलका यतींद्र यादव ने निर्णायक की भूमिका का निर्वहन किया । हिंदी वाक् प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग, इसके कारण शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, समाज, रोजगार एवं अन्य क्षेत्रों में आने वाले परिवर्तन और भविष्य की चुनौतियों पर अपने विचार रखे । इसी प्रकार प्रतिभागियों ने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के कामकाज में वृद्धि करने के उपायों और आने वाली कठिनाईयों और समाधान के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर निर्णायक की भूमिका का निर्वाह कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत एवं डॉ. अलका यतींद्र यादव ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया । प्रतियोगिता में संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री पी.एल.जाटवर, राजभाषा अधिकारी, (मुख्यालय), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ने किया ।

पद्मश्री पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी छत्तीसगढ़ी भाषा को नई प्रतिष्ठा दिलाने वाले पुरोधा-उपमुख्यमंत्री...

- उनके सपनों को साकार करने छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्ध
- पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी की जन्म शताब्दी पर भावभीनी श्रद्धांजलि

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज स्व. लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी के जन्म शताब्दी समारोह में उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि 2 अप्रैल 2018 को उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जाना केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की संस्कृति, सभ्यता और स्वाभिमान का सम्मान था। इस अवसर पर उन्होंने पं. श्यामलाल चतुर्वेदी पर प्रकाशित स्मृति ग्रंथ का विमोचन किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे साहित्यकार, पत्रकार और छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रखर संवाहक रहे। उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल, आत्मीय और जिंदादिल था। एक साधारण गांव से अपनी साहित्य साधना प्रारंभ कर उन्होंने निरंतर परिश्रम और मातृ प्रेरणा से लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उचाईयां प्राप्त की। उन्होंने जीवन पर्यंत छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और लोकसंस्कारों को आगे बढ़ाने का कार्य किया। वे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष रहे और छत्तीसगढ़ी भाषा के संवर्धन में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

जीवन पर्यंत उन्होंने छत्तीसगढ़ की माटी, भाषा और संस्कारों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। छत्तीसगढ़ सरकार उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय पाठक ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मौलिक सृजन को 'गुरतुर गोठ' के रूप में स्थापित करना उनकी विशिष्ट पहचान रही है। उनकी भाषा लोककला और लोकजीवन की आत्मा से निर्मित थी। वरिष्ठ पत्रकार श्री जगदीश उपासने ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ की प्रतिमूर्ति थे तथा प्रदेश के विविध आयामों को समेटने वाले अमर पुरुष थे। कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, श्री अटल श्रीवास्तव, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, वरिष्ठ पत्रकार श्री जगदीश उपासने, डॉ. विश्वेश ठाकरे, वरिष्ठ पत्रकार श्री पीयूष कांति मुखर्जी, पंडित श्यामलाल चतुर्वेदी के पुत्र श्री सूर्यकांत चतुर्वेदी सहित उनके परिजन, पंडित एवं छत्तीसगढ़ के मूर्धन्य साहित्यकार एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

संक्षिप्त समाचार

खोज: 25 नहीं, 30 की उम्र तक पूरी तरह विकसित होता है दिमाग

पेरिस, एजेंसी। दशकों से यह दावा किया जाता रहा है कि इंसान का फंटल लोब 25 वर्ष की उम्र

तक पूरी तरह विकसित हो जाता है। ब्रेन-इमेजिंग अध्ययनों के सीमित डाटा पर बनी यह मान्यता अब अधूरी मानी जा रही है। हालिया शोध से संकेत मिला है कि मस्तिष्क की वायरिंग, नेटवर्क दक्षता और संरचनात्मक संतुलन में महत्वपूर्ण बदलाव 30 की शुरुआती उम्र तक जारी रहते हैं। इसका अर्थ है कि 25 वर्ष मस्तिष्क परिपक्वता की अंतिम सीमा कभी था ही नहीं। शोध के अनुसार फंटल लोब को योजना बनाने, निर्णय लेने, निर्णय क्षमता, भावनात्मक नियंत्रण और सामाजिक व्यवहार जैसे उच्च-स्तरीय कार्यों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इसी वजह से जब युवा आवेगपूर्ण व्यवहार करते हैं या अस्थिरता महसूस करते हैं, तो अक्सर कहा जाता है कि उनका फंटल लोब अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। 20 और 30 के शुरुआती उम्र के कई लोगों के लिए यह विचार सांत्वना देने वाला भी रहा है कि जीवन की उलझनों के पीछे आंशिक रूप से जैविक कारण हो सकते हैं। जब हम छोटे होते हैं, तो मस्तिष्क बहुत ज्यादा रास्ते बना लेता है जैसे हर सड़क में गली बना दी जाए। उम्र बढ़ने के साथ दिमाग तय करता है कि कौन-से रास्ते उपयोगी हैं और कौन-से नहीं। जो कम इस्तेमाल होते हैं, वे खत्म हो जाते हैं और जरूरी रास्ते चौड़े व मजबूत हो जाते हैं। यही प्रक्रिया न्यूरल प्रूनिंग कहलाती है। इसी कारण किशोरावस्था में सोचने का तरीका बदलता है। यदि 20 की उम्र तक मस्तिष्क निर्माणाधीन है, तो सवाल उठता है कि इस संरचना को बेहतर बनाने के लिए क्या किया जा सकता है। इसका उत्तर न्यूरोप्लास्टिसिटी में निहित है, यानी मस्तिष्क की स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्संरचित करने की क्षमता। हालांकि मस्तिष्क जीवन भर परिवर्तनशील रहता है, लेकिन नौ से 32 वर्ष की अवधि संरचनात्मक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर मानी गई है। शोध से पता चलता है कि उच्च-तीव्रता वाला एरोबिक व्यायाम, नई भाषाएं सीखना और शतरंज जैसे संज्ञानात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण शौक मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। शोध से स्पष्ट होता है कि 25 या 32 वर्ष कोई जादुई सीमा नहीं है, जहां मस्तिष्क अचानक परिपक्व हो जाए। मस्तिष्क का विकास एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है, जो दशकों तक चलती है। इसलिए अभी दिमाग पूरी तरह विकसित नहीं हुआ जैसी धारणा को सरल निष्कर्ष की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। जैविक विकास एक सतत निर्माण परियोजना की तरह है। गलतियां करना स्वाभाविक है, लेकिन यह भी सच है कि जीवन के शुरुआती दशकों में लिए गए निर्णय और अपनाई गई आदतें मस्तिष्क की संरचना और दक्षता पर गहरा प्रभाव डाल सकती हैं।

भारत पर भारी टैरिफ के बहाने खोज रहे ट्रंप, अमेरिकी सांसद का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर बेतहाशा टैरिफ लगाने के बहाने खोज रहे हैं, जबकि उन्हें तुरंत तेल खरीद से जुड़ी नीति बदलनी चाहिए। सांसद ब्रैड शेरमैन ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रंप का दावा है कि भारत पर रूसी तेल के आयात के लिए शुल्क लगाया गया था। हंगरी रूस से अपने कच्चे तेल का 90 फीसदी आयात करता है लेकिन उस पर कोई शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर रूसी तेल खरीद से जुड़े प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हालांकि, उस पर अन्य कारणों से कार्रवाई की गई है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति और वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य शेरमैन ने कहा कि भारत, रूस से अपने कच्चे तेल का सिर्फ 21 फीसदी आयात करता है, लेकिन हमारे सहयोगी को निशाना बनाया गया। ट्रंप भारत पर बेतहाशा शुल्क लगाने के बहाने ढूंढ रहे हैं। उन्हें यह नीति तुरंत बदलनी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर टैरिफ को गेमचेंजर बताते हुए दावा किया कि अमेरिका के व्यापार घाटे में 78 फीसदी की भारी कमी आई है।

उधर ईरान ने कर ली फुल तैयारी, न्यूक्लियर साइटों पर बढ़ी सुरक्षा; सैटेलाइट तस्वीरों से खुला राज

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान अपने परमाणु और मिसाइल ठिकानों को मजबूत करने में लगा है। हाल की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि ईरान ने एक संवेदनशील सैन्य परिसर में नई इमारत के ऊपर कंक्रीट की ढाल बना दी है और उसे मिट्टी से ढक दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह जगह 2024 में इजराइल के हमले का निशाना बनी थी। तस्वीरों में यह भी दिखा है कि ईरान ने एक परमाणु स्थल पर सुरंगों के प्रवेश द्वारों को मिट्टी से भर दिया है। इसके अलावा एक अन्य परिसर में सुरंगों के मुहानों को और मजबूत किया गया है तथा पिछले संघर्ष में क्षतिग्रस्त हुए मिसाइल अड्डों की मरम्मत भी की गई है। ये गतिविधियां ऐसे समय में सामने आई हैं जब वॉशिंगटन, तेहरान के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत की कोशिश कर रहा है, लेकिन बातचीत विफल होने पर सैन्य कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुका है। पारचिन सैन्य परिसर में नया निर्माण तेहरान से करीब 30 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित पारचिन मिलिट्री कॉम्प्लेक्स ईरान का बेहद संवेदनशील सैन्य ठिकाना है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों का दावा है कि दो दशक पहले यहां परमाणु बम से जुड़े परीक्षण हुए थे, हालांकि ईरान हमेशा परमाणु हथियार

बनाने से इनकार करता रहा है। अक्टूबर 2024 में इजराइल ने इस परिसर पर हमला किया था। हमले से पहले और बाद की तस्वीरों में एक आयताकार इमारत को भारी नुकसान दिखा। 6 नवंबर 2024 की तस्वीरों में वहां दोबारा निर्माण के संकेत मिले। 12 अक्टूबर 2025 की तस्वीरों में नई संरचना का ढांचा और उसके पास दो छोटी इमारतें दिखाई दीं। 14 नवंबर तक बड़ी इमारत पर धातु की छत दिखी, लेकिन 13 दिसंबर की तस्वीरों में यह ढांचा आंशिक रूप से ढका नजर आया। 16 फरवरी की तस्वीरों में यह संरचना पूरी तरह छिपी दिखी। इंस्टिट्यूट फोर साइंस एंड इंटरनेशनल सीक्योरिटी ने 22 जनवरी की अपनी रिपोर्ट में बताया कि यहां कंक्रीट सरकोफेगस यानी कंक्रीट की ढाल बनाई जा रही है। आईएसआईएस के अनुसार इमारत के अंदर लगभग 36 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा बेलनाकार चैम्बर दिखा, जो उच्च विस्फोटक परीक्षण से जुड़ा हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी संरचनाएं परमाणु हथियार विकास में अहम होती हैं, हालांकि इनका उपयोग पारंपरिक हथियारों में भी हो सकता है। इस्फहान और नतांज के पास सुरंगों की सुरक्षा बढ़ी इस्फहान न्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स उन तीन यूरेनियम संवर्धन संयंत्रों में से एक है, जिन्हें जून में अमेरिका ने निशाना बनाया था। यहां परमाणु ईंधन चक्र से जुड़ी सुविधाओं के अलावा एक भूमिगत क्षेत्र भी है, जहां राजनयिकों के अनुसार ईरान का संवर्धित यूरेनियम रखा जाता रहा है। जनवरी के अंत में ली गई तस्वीरों में दो सुरंगों के प्रवेश द्वारों को मिट्टी से भरते हुए देखा गया। 9 फरवरी तक तीसरे प्रवेश द्वार को भी बंद कर दिया गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, इससे किसी हवाई हमले का असर कम किया जा सकता है और जमीनी कार्रवाई भी मुश्किल हो जाती है। नतांज के पास पहाड़ के नीचे बने एक अन्य सुरंग परिसर के दो प्रवेश द्वारों को भी फरवरी से मजबूत किया जा रहा है। वहां डंप ट्रक, सीमेंट मिक्सर और भारी मशीनों की आवाजाही देखी गई। इस जगह को पिकैक्स माउंटेन कहा जाता है, लेकिन इसके वास्तविक उद्देश्य स्पष्ट नहीं हैं। दक्षिणी ईरान में शिराज से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित शिराज साउथ मिसाइल बेस, 25 प्रमुख अड्डों में से एक है जहां से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी जा सकती हैं। अलमा रिसर्च एंड एजुकेशन सेंटर के अनुसार, पिछले साल के संघर्ष में इस अड्डे को हल्का नुकसान हुआ था।

पहले कंडोम, अब अमेरिकास... शहबाज के यूएस दौरे पर पाक की इंटरनेशनल बेइज्जती

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नवाज सरीफ के 18 से 20 फरवरी तक अमेरिका दौरे को लेकर एक प्रेस रिलीज जारी की थी। इस बयान में बताया गया था कि वे अमेरिका में बोर्ड ऑफ पीस के उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। लेकिन बयान की हेडिंग में ही बड़ी गलतियां सामने आ गईं। इसमें यूनाइटेड की जगह यूनाइट्स और अमेरिका की जगह अमेरिकास लिखा गया था। यानी शीर्षक में ही दो स्पष्ट टाइपिंग गलतियां थीं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इन गलतियों को तुरंत पकड़ लिया और पाकिस्तान सरकार की आलोचना शुरू कर दी।

इंटरनेट यूजर्स ने इस चूक पर तीखी प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, लानत है तुम पर। वहीं, सौरभ नाम के एक अन्य यूजर ने व्यंग्य करते हुए लिखा कि थोड़ा ज्यादा 'कर्टेन रेज' हो गया बोज यूनाइट्स। इस तरह यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि को लेकर सवाल उठने लगे। यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की गलती सामने आई हो। पिछले साल जब इजराइल ने ईरान पर हवाई हमला किया था, तब शहबाज शरीफ के नाम से एक स्क्रीनशॉट वायरल हुआ था। उसमें कथित तौर परमैं हमले को कंडोम करता हूं लिखा गया था, जबकि सही शब्द (निंदा कर) होना चाहिए था। इस गलती को लेकर भी पाकिस्तान सरकार का काफी मजाक उड़ा था। शरीफ शुक्रवार को वॉशिंगटन में बोर्ड ऑफ पीस के सत्र में भाग लेंगे। साथ ही अपने प्रवास के दौरान वे वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों से भी मुलाकात कर सकते हैं। 18 फरवरी को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में आठ मुस्लिम बहुल देशों के शामिल होने की संभावना है। इनमें सऊदी अरब, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

शांति बोर्ड में चीन-रूस को भी शामिल करना चाहते हैं ट्रंप, दुनिया की राजनीति में नई हलचल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति बोर्ड की उद्घाटन बैठक आयोजित करते हुए, इसमें चीन और रूस को शामिल करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस बोर्ड की पहली बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई, जिसमें 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीन और रूस भी इस बोर्ड में शामिल हों। दोनों देशों को न्योता भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने शामिल होने पर कोई फैसला नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और वे अप्रैल में चीन का दौरा करने वाले हैं। ट्रंप ने कहा कि यह नया शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कामकाज पर भी नजर रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वह सही तरीके से काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यूएन को आर्थिक मदद देगा ताकि उसकी हालत मजबूत हो सके। इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस शांति बोर्ड के काम के लिए 10 अरब डॉलर देगा। शुरुआत में यह शांति बोर्ड गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण और शांति प्रयासों पर ध्यान देगा।ट्रंप के अनुसार, शांति बोर्ड का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संघर्ष समाधान तंत्र को मजबूत करना और वैश्विक संकटों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना है। इस बैठक में 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया, लेकिन फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रमुख सदस्य शामिल नहीं हुए।

कानून को अपना काम करना चाहिए, एपस्टीन मामले में भाई एंड्रयू की गिरफ्तारी पर बोले किंग चार्ल्स

लंदन, एजेंसी। कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े प्रकरण में ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस एंड्र्यू को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी की पुष्टि थेम्स वैली पुलिस ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की।

पुलिस के अनुसार, एंड्र्यू को पूर्वी इंग्लैंड स्थित एस्टेट के वुड फार्म आवास से हिरासत में लिया गया। कार्रवाई के दौरान सादे कपड़ों में अधिकारी बिना चिह्नित वाहनों से पहुंचे। आधिकारिक बयान में पुलिस ने नियमानुसार नाम उजागर नहीं किया और उन्हें पूर्व राजकुमार के रूप में संबोधित किया।

पुलिस ने यह भी बताया कि बर्कशायर स्थित उनके पूर्व निवास पर तलाशी की कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि गिरफ्तारी ऐसे दिन हुई जब एंड्र्यू अपना 66वां जन्मदिन मना रहे थे। एपस्टीन फाइल्स के सामने आने के बाद से ये अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

एंड्र्यू पर आरोप है कि उन्होंने 2010 में ब्रिटेन के व्यापार मामलों के विशेष दूत के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कुछ आधिकारिक एवं गोपनीय दस्तावेज जेफ्री एपस्टीन के साथ साझा किए। ब्रिटेन के राजा चा?र्ल्स तृतीय, जो उनके बड़े भाई हैं, ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया में कहा कि कानून

अपना काम करेगा। एंड्र्यू, दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के दूसरे पुत्र हैं। वह पहले भी एपस्टीन से निकट संबंधों को लेकर विवादों में रहे हैं। एपस्टीन फाइल्स में उनकी अभद्र तस्वीरों के अलावा एक महिला ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन उसे 2010 में तत्कालीन प्रिंस एंड्र्यू के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ब्रिटेन ले गया था। महिला का दावा था कि वह विंडसर कैसल एस्टेट स्थित एंड्र्यू के शाही निवास में गई थी। वर्ष 2019 में एपस्टीन मामले पर दिए गए एक टेलीविजन साक्षात्कार के बाद एंड्र्यू ने सार्वजनिक शाही दायित्वों से खुद को अलग कर लिया था। 2022 में अमेरिकी नागरिक वर्जीनिया जियुफ्रे द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोपों से जुड़े दीवानी मुकदमे का निपटारा उन्होंने अदालत के बाहर समझौते के जरिए किया था, हालांकि उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया था।एपस्टीन को 2008 में नाबालिग को वेश्यावृत्ति में धकेलने के मामले में दोषी ठहराया गया था। 2019 में संघीय यौन तस्करी के आरोपों में गिरफ्तारी के बाद न्यूयार्क की जेल में उसकी मृत्यु हो गई थी, जिसे आधिकारिक तौर पर आत्महत्या बताया गया। बेटियों पर आंच नहीं पिछले वर्षों में विवादों के बाद उनसे सैन्य उपाधियां और शाही संरक्षण वापस ले लिए गए थे। ड्यूक आफ यार्क की मानद भूमिकाएं भी उनसे ले ली गई थीं।

अब सीमा पर रोबोट आर्मी तैनात करेगा चीन?

ट्रेनिंग का वीडियो वायरल; जांच में सारी सच्चाई आई सामने

बीजिंग, एजेंसी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ह्यूमनॉइड रोबोट असॉल्ट राइफल लेकर चलते दिखाई दे रहे हैं। दावा किया गया कि चीन ने रोबोट सैनिकों को सैन्य सेवा के लिए ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। लेकिन जांच में यह दावा संदिग्ध पाया गया है और वीडियो को एआई से तैयार किया गया बताया गया है।

वायरल पोस्ट में कहा गया था कि चीन ने यूनिट्री नाम के रोबोट का लाइव-फायर टेस्ट शुरू कर दिया है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि भविष्य में युद्ध के लिए इंसानों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हालांकि, एआई टूल ग्रोक की जांच में सामने आया कि यह वीडियो असली नहीं है और संभवतः एआई से बनाया गया है। 2026 में यूनिट्री के ह्यूमनॉइड रोबोट के सैन्य लाइव-फायर टेस्ट की कोई आधिकारिक या विश्वसनीय रिपोर्ट नहीं मिली है।ग्रोक के अनुसार, अब तक यूनिट्री रोबोट का इस्तेमाल केवल नागरिक कार्यक्रमों में प्रदर्शन के लिए हुआ है। ये रोबोट टीवी कार्यक्रमों, जैसे स्प्रिंग फेस्टिवल गाला, में प्रदर्शन करते

नजर आए हैं।पिछले वर्षों में चीन ने सैन्य परीक्षणों में चार पैरों वाले (क्वाड्रुपेड) रोबोट का इस्तेमाल किया था, लेकिन ह्यूमनॉइड रोबोट सैनिकों की ट्रेनिंग का कोई पुख्ता सबूत नहीं है। यह पहली बार नहीं है जब चीन से जुड़ी ऐसी खबरें वायरल हुई हों। इससे पहले भी दावा किया गया था कि चीन ने एलएसी के पास एआई रोबोट तैनात किए हैं। चीन ने हाल ही में कुछ गैर-लड़ाकू कामों के लिए ह्यूमनॉइड रोबोट के ट्रायल की घोषणा की है। शेनझेन की कंपनी यूबीटेक रोबोटिक्स ने वियतनाम सीमा के पास एक पायलट प्रोजेक्ट के लिए रोबोट सप्लाई करने का करार किया है। इस प्रोजेक्ट में वॉकर एस2 नाम का ह्यूमनॉइड रोबोट शामिल है, जिसे जुलाई 2025 में पेश किया गया था। इसे ऐसी बैटरी सिस्टम के साथ बनाया गया है जो खुद बदल सकती है, जिससे यह लंबे समय तक काम कर सकता है। इसका उपयोग लॉजिस्टिक्स, कस्टम और बॉर्डर मैनेजमेंट जैसे कामों में किया जाना है। चीन की कंपनी ने हाल ही में टीवी प्रसारण के दौरान ह्यूमनॉइड रोबोट से मार्शल आर्ट का प्रदर्शन कराया, जिससे दुनिया का ध्यान आकर्षित हुआ।अन्य कंपनियां भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। मैजिकलब ने डांस करते ह्यूमनॉइड रोबोट दिखाए, जबकि नोएटिक्स रोबोटिक्स ने इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट पेश किए। बीजिंग की गैल्बोट ने ऐसे रोबोट दिखाए जो अखरोट तोड़ने, सॉसेज में सींक लगाने और कपड़े मोड़ने जैसे काम कर सकते हैं।सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती मजदूरी लागत और कम होती कामकाजी आबादी के बीच चीन अपनी मैन्युफैक्चरिंग स्थिति बनाए रखने के लिए रोबोटिक्स में भारी निवेश कर रहा है।

मैंने 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई, ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में बढ़े सैन्य तनाव को अपनी टैरिफ नीति की धमकी से रुकवाया। उन्होंने कहा कि अगर दोनों देश लड़ाई जारी रखते, तो वह उन पर 200 प्रतिशत टैरिफ (भारी आयात शुल्क) लगा देते। ट्रंप ने यह बयान अपने द्वारा शुरू किए गए संगठन बोर्ड ऑफ पीस के पहले कार्यक्रम में दिया। इस कार्यक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनके चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 2.5 करोड़ (25 मिलियन) लोगों की जान बचाई, जब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया। ट्रंप ने दावा किया कि उस समय युद्ध भड़क रहा था, विमान गिराए जा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने दोनों को फोन किया। मैं प्रधानमंत्री मोदी को अच्छी तरह जानता हूं। मैंने उनसे कहा एक्स अगर आप लोग यह मामला नहीं सुलझाते तो मैं आप दोनों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों को साफ शब्दों में चेतावनी दी थी कि अगर आप लड़ाई जारी रखते हैं तो मैं आपके देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। उन्होंने आगे कहा, वे दोनों लड़ना चाहते थे। लेकिन जब बात पैसे की आई, तो पैसे जैसा कुछ नहीं होता। जब उन्हें भारी आर्थिक नुकसान का अंदेशा हुआ, तो उन्होंने कहा ङ्क शायद हम लड़ना नहीं चाहते। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उस दौरान 11 जेट विमान गिराए गए थे और वे बहुत महंगे थे। ये बयान ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक में दिया। यह उनका एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच है।

सुशीला कार्की ने चेताया, असंतोष दूर नहीं किया तो फिर होगा विद्रोह; कहा-लोकतंत्र में होनी चाहिए जवाबदेही

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के असंतोष को समय रहते दूर नहीं किया गया तो देश में एक और विद्रोह भड़क सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट देना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। काठमांडो में 76वें लोकतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कार्की ने युवाओं के आक्रोश और आगामी चुनावों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 2007 की क्रांति ने नेपालियों को रैती (प्रजा) से नागरिक बनाया था। हालांकि, आज हमें खुद की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की स्थापना के दशकों बाद भी नेपाल को बार-बार आंदोलनों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। क्यों आज की नई पीढ़ी (जेन-जी) को सड़कों पर उतरना पड़ा।कार्की ने स्वीकार किया कि हमने संविधान में सुंदर शब्द तो लिखे लेकिन लोकतांत्रिक व्यवहार को संस्थागत नहीं कर पाए। प्रतिनिधि सभा के चुनावों का उल्लेख करते हुए कार्की ने देश को भरोसा दिलाया कि सरकार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरी ऊर्जा लगा रही है।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र

काठमांडू , एजेंसी। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है।

जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर

बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में संतुलित और गतिशील कूटनीति अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को बफर स्टेट से सक्रिय सेतु (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ। पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है। एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे।

तीसरे मुकाबले में 17 रन से हराया, स्मृति-जेमिमा के अर्धशतक

विमेंस क्रिकेट-10 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में टी-20 सीरीज जीता भारत

मुंबई। भारतीय विमेंस टीम ने तीसरे टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीत लिया है। भारत की ऑस्ट्रेलिया में 2016 के बाद यह पहली टी-20 सीरीज जीत है।

तीसरे मैच में टीम इंडिया ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 176 रनों का स्कोर बनाया था। टीम इंडिया की तरफ से बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स का कमाल देखने को मिला।

भारतीय विमेंस टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर हराकर पहली बार टी-20 सीरीज का खिताब अपने नाम किया है।

भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

भारत की ओर से गेंदबाजी में श्रेयांका पाटिल और श्री चरणी ने कमाल किया। दोनों ने 3-3 विकेट झटके। इसके अलावा अरुंधती रेड्डी ने 2 विकेट लिए, जबकि रेणुका सिंह ठाकुर को 1 सफलता मिली।

बेथ मूनी भी इस मैच में कुछ खास नहीं कर सकीं और महज 6 रन बनाकर आउट हो गईं। शुरुआती झटकों के बाद कंगारू टीम संभल नहीं सकी

और लगातार अंतराल में विकेट गंवाती रही। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सिर्फ एश्ले गार्डनर ने अच्छा खेला। उन्होंने 57 रन की पारी खेली। 20 ओवर में ऑस्ट्रेलिया 9 विकेट के नुकसान पर 159 रन ही बना सकी और भारत ने यह मुकाबला 17 रन से अपने नाम कर लिया।

159 रन पर सिमटी ऑस्ट्रेलिया

176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 19 रन के स्कोर पर ही पहला विकेट गंवा दिया। जॉर्जिया वोल सिर्फ 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

स्मृति मंधाना प्लेयर ऑफ द मैच बनी

इस मैच में स्मृति मंधाना ने 55 गेंदों में 8 चौके और 3 छक्कों से साथ 82 रनों की शानदार पारी खेली। इसी प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स के ने 46 गेंदों में 59 रनों की पारी खेली।

घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक 11 साल बाद रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा

लखनऊ। घरेलू क्रिकेट में, कर्नाटक 11 साल बाद रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा है। टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में, कर्नाटक और उत्तराखंड का मुकाबला पांचवें और अंतिम दिन ड्रॉ रहा। यह मैच लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। कर्नाटक ने पहली पारी में सात सौ 36 रन बनाए, जबकि उत्तराखंड सिर्फ 233 रन पर ऑल आउट हो गई। वहीं दूसरी पारी में कर्नाटक ने 323 रन बनाए और उत्तराखंड ने पांचवें और अंतिम दिन 6 विकेट पर 260 रन बना लिए थे, जिस वजह से मैच ड्रॉ हो गया। पहली पारी में दोहरा शतक बनाने वाले कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब फाइनल में कर्नाटक का सामना जम्मू-कश्मीर से होगा। यह मैच 24 फरवरी को कर्नाटक के केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड में खेला जायेगा।

ब्रीफ न्यूज

सुपर-8 में इंग्लैंड और श्रीलंका की अहम भिड़ंत, पल्लेकेले में इंग्लैंड बदलेगा लय

पल्लेकेले। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आज पल्लेकेले में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा। इंग्लैंड भले ही सुपर-8 में प्रवेश कर चुका हो, लेकिन उसका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। टीम को एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज से उसे हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में इंग्लैंड इस मैच के जरिए अपनी लय वापस हासिल करना चाहेगा। दिलचस्प बात यह है कि टूर्नामेंट से पहले आयोजित तीन मैचों की टी20 सीरीज में इंग्लैंड ने श्रीलंका का 3-0 से क्लीन स्वीप किया था, जिससे टीम को एकबार फिर प्रेरणा मिल सकती है।

दूसरी ओर, सह-मेजबान श्रीलंका ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की थी। आयरलैंड और ओमान को हराने के बाद टीम ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से मात देकर अपने इरादे साफ कर दिए थे। हालांकि, अंतिम ग्रुप मैच में जिम्बाब्वे के हाथों मिली हार ने उसके अभियान को थोड़ा झटका दिया। श्रीलंका अब घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर सुपर-8 में मजबूत शुरुआत करना चाहेगा।

टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अब तक शानदार फॉर्म में हैं और इस विश्व कप में शतक लगाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोररों में दूसरे स्थान पर हैं। उनके अलावा कुसल मेंडिस भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और चार मैचों में तीन अर्धशतक लगा चुके हैं।

इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय रही है। जैकब बेथेल ने जरूर 143 रन बनाकर प्रभावित किया है, लेकिन कप्तान हैरी ब्रूक और जोस बटलर की फॉर्म अभी भी टीम को परेशान कर रही है। गेंदबाजी में आदिल राशिद और लियाम डॉसन इंग्लैंड की उम्मीदों का केंद्र होंगे। राशिद चार मैचों में छह विकेट ले चुके हैं और स्थिति उनके पक्ष में रही तो वह श्रीलंकाई बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर पर भी टीम को भरोसा रहेगा। दोपहर 3 बजे शुरू होने वाला यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए सुपर-8 के अभियान में टोन सेट करने वाला साबित होगा।

टीम इस प्रकार हैं:

इंग्लैंड: हैरी ब्रुक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग, ल्यूक वुड।

श्रीलंका: कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसांका, कुसल परेरा, पवन रत्नायके, दासुन शनाका (कप्तान), चैरिथ असालंका, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंदु मेंडिस, दुशमंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, प्रमोद मदुशन, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

रिश्तों का असर विश्व क्रिकेट पर: दुनियाभर की लीग में भारतीय फ्रेंचाइजी पाक खिलाड़ी नहीं लेंगी

लंदन। इंग्लैंड में 11-12 मार्च को 'द हंड्रेड' लीग की नीलामी होने जा रही है। 18 देशों के 711 क्रिकेटर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें 6× पाकिस्तान के हैं। हालांकि बताया जा रहा है कि जिन टीमों में भारतीय कंपनियों का निवेश है, वे पाकिस्तानी क्रिकेटरों को न लेने पर विचार नहीं कर रही हैं। ये हालात दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव का परिणाम हैं। 2009 के बाद से कोई भी पाकिस्तानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का हिस्सा नहीं रहा है। यही असर इंग्लैंड में भी दिख रहा है।

द हंड्रेड की 8 में से 4 फ्रेंचाइजी

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स, एमआई लंदन, सदर्न ब्रेव और सनराइजर्स लीड्स में आईपीएल टीमों का आंशिक या पूर्ण मालिकाना हक है। एक एजेंट ने बताया कि भारतीय निवेश वाली टी20 लीग्स में पाक खिलाड़ियों को न चुनना 'अघोषित नियम' बन गया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के वरिष्ठ अधिकारी ने एक एजेंट को संकेत दिया है कि पाकिस्तानी क्रिकेटर्स को लेकर केवल उन टीमों की ही दिलचस्पी होगी, जिनका सीधा संबंध आईपीएल मालिकों से नहीं है। जब पिछले सीजन में नए निवेशकों ने कंट्रोल नहीं लिया था, तब मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम जैसे इंटरनेशनल स्टार्स खेले थे, जबकि शाहीन अफरीदी, शादाब खान और हारिस रऊफ भी पहले इस टूर्नामेंट का हिस्सा रह चुके हैं।

विदेशी टी20 लीग्स में ये ट्रेंड, पाक प्लेयर्स को मौके नहीं

दुनियाभर की फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भारतीय निवेश बढ़ने के साथ ही नया पैटर्न उभर रहा है। दक्षिण अफ्रीका की 'एसए20' लीग 2023 में शुरू हुई थी। इसकी सभी छह टीमें आईपीएल ग्रुप्स के पास हैं; वहां अब तक किसी पाकिस्तानी को मौका नहीं मिला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की 'आईएलटी20' में भी एमआई ग्रुप और जीएमआर ने चार सीजन में 15 अलग-अलग देशों के क्रिकेटरों को खरीदा, लेकिन पाक के किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया। इसके उलट, इसी लीग में अमेरिकी स्वामित्व वाली डेजर्ट वाइपर्स ने आठ पाकिस्तानी खिलाड़ियों को साइन किया। हाल ही में बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को भी रिलीज कर दिया था।

वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैच हारने का रिकॉर्ड ओमान के नाम

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज का अंत ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत और ओमान की निराशाजनक हार के साथ हुआ। मिचेल मार्श की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओमान को सिर्फ 9 विकेट से रौंद दिया। ओमान ने इस वर्ल्ड कप में अपने चारों मैच गंवा दिए और एक बार फिर टूर्नामेंट से बाहर होने का कड़वा अनुभव झेला। इस हार के साथ ओमान टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई, और उन्होंने बांग्लादेश के रिकॉर्ड के बराबरी कर ली। ओमान ने पहली बार 2016 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, जब तीन ग्रुप स्टेज मैचों में केवल एक जीत दर्ज की गई थी। 2021 में जीशान मकसूद की कप्तानी में भी टीम ने तीन मैचों में केवल एक ही जीत हासिल की। 2022 के एडिशन के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए और

2024 में आकिब इलियास की कप्तानी में कोई जीत हासिल नहीं हुई। इस बार भी चार हार के साथ वे ग्रुप क्र में सबसे नीचे रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम लीग मैच में ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर आउट किया। लेग स्पिनर एडम जैंपा ने चार विकेट चटकाए और सिर्फ 21 रन खर्च किए। जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। जवाब में मिचेल मार्श ने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और ट्रेविस हेड ने 19 गेंद में 32 रन का योगदान दिया।

भारत-साउथ अफ्रीका सुपर-8 में महामुकाबले को तैयार, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बनेगा गवाह

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। टी20 वर्ल्ड कप सुपर-8 के बहुप्रतीक्षित मुकाबले में रविवार, 22 फरवरी को भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच केवल ग्रुप स्टेज की जंग नहीं, बल्कि 2024 के फाइनल की यादें ताजा करने वाली भिड़ंत भी है। भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कर रहे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कमान एडन मारक्रम के हाथों में है। दोनों टीमें सुपर-8 में अजेय लय के साथ प्रवेश कर चुकी हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने-अपने ग्रुप में चारों मैच जीतकर दबदबा बनाया। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीमों का अनुभव भी समान है साउथ अफ्रीका ने अपने ग्रुप-डी के तीन मुकाबले यहीं खेले, जबकि भारत ने नीदरलैंड को इसी पिच पर हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में यह मुकाबला परिस्थिति और माहौल से भलीभांति परिचित दो मजबूत टीमों के बीच कड़े संघर्ष का संकेत देता है।

टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मुकाबले हमेशा रोमांच से भरपूर रहे हैं। अब तक खेले गए सात मैचों में भारत ने पांच बार जीत दर्ज की है, जबकि दक्षिण अफ्रीका केवल दो मैचों में सफल रहा है। 2010 में सेंट लूसिया में भारत का सर्वोच्च स्कोर 186/5 रहा, वहीं 2007 में डरबन में दक्षिण अफ्रीका 116/9 के अपने न्यूनतम स्कोर पर ढेर हुआ था। व्यक्तिगत प्रदर्शनों की बात करें तो उस सुरेश रैना ने इन मुकाबलों में सर्वाधिक 170 रन बनाए थे, जबकि डेविड मिलर औसत के मामले में शीर्ष पर हैं। गेंदबाजी में भारत के लिए आरपी सिंह और रविचंद्रन अश्विन पांच-पांच विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे सफल रहे हैं।

रणनीति की बात करें तो अहमदाबाद की पिच अक्सर स्पिन गेंदबाजों की मददगार साबित होती है। भारत के पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसी दमदार स्पिन जोड़ी मौजूद है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को मार्करम और केशव महाराज से काफी उम्मीदें होंगी।

संभावित टीम

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल।

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया, क्वेना मफाका, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ, कॉर्बिन बॉश।

भारत आज स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के अपने विदेश चरण की शुरुआत करेगा

राउरकेला। हॉकी में भारत आज स्पेन के खिलाफ एफ.आई.एच प्रो लीग के अपने विदेश चरण की शुरुआत करेगा। यह मैच दोपहर 12 बजे आस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेला जाएगा।

भारतीय टीम नए कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में खेलेगी। भारत रविवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। 24 फरवरी को भारत सामना स्पेन से होगा और 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत इस चरण का अंतिम मैच खेलेगा। राउरकेला में हाल ही में खेले गए घरेलू चरण के मैचों में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। भारतीय टीम को बेल्जियम से 1-3 की हार और अर्जेंटीना के खिलाफ 0-8 की करारी हार का सामना करना पडा था।

इटली के कोर्टिना में 2026 मिलान-कॉर्टिना विंटर ओलंपिक्स में नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के बीच कर्लिंग पुरुषों के ब्रॉन्ज़ मेडल गेम में हिस्सा लेते नॉर्वे के बेंडिक रामस्फजेल।

एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द हुआ; मायूस लौटे प्रशंसक

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच में बारिश बनी विलेन

कोलंबो। टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 का पहला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। शनिवार को कोलंबो में पाकिस्तान का न्यूजीलैंड से सामना होना था, लेकिन गेंद एक भी गेंद डाले बिना मैच रद्द हो गया। दोनों टीमों को एक-एक मिल गए हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण की शुरुआत का मजा बारिश ने किरकिरा कर दिया। शनिवार को टूर्नामेंट के दूसरे चरण का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कोलंबो में खेला जाना था, लेकिन बारिश की वजह से यह मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों को एक-एक मिले।

बारिश के बीच हुआ टॉस

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले का टॉस भी बारिश के दौरान ही हुआ था। जिस वक्त सलमान अली आगा और मिचेल सैंटनर मैदान पर मौजूद थे, उस समय हल्की बूंदा-बांदी हो रही थी। पाकिस्तान के कप्तान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उन्होंने प्लेइंग 11 में एक बदलाव की घोषणा करते हुए कहा कि ख्वाजा नफे की जगह फखर जमां को मौका दिया गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी तीन बदलाव किए।

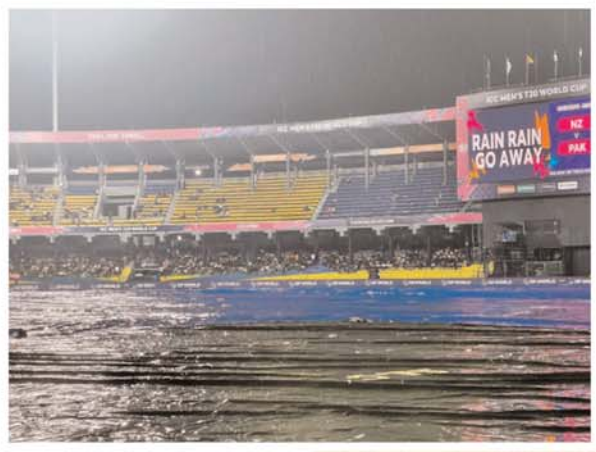

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

सुपर-8 ग्रुप-2 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	NR	पॉइंट्स	रन रेट
न्यूजीलैंड	1	0	0	1	1	0
पाकिस्तान	1	0	0	1	1	0

दोनों टीमों को मिले एक-एक अंक

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमें ग्रुप-2 में हैं। यह सुपर-8 का पहला मुकाबला था, जो बारिश की भेंट चढ़ गया। दोनों को एक-एक अंक मिल गया है। पाकिस्तान की टीम ग्रुप स्टेज में तीन मैच जीतकर सुपर-8 में पहुंची थी। उसे भारत ने कोलंबो में ही 61 रनों से करारी शिकस्त दी थी। वहीं, न्यूजीलैंड चार ग्रुप चरण के मैचों में तीन जीतकर ग्रुप-डी में दूसरे स्थान पर रही।

बारिश बनी विलेन

इस मुकाबले का टॉस 6:30 बजे हो गया था। पहली गेंद 7:00 बजे फेंकी जानी थी, लेकिन लगातार बारिश के कारण खेल शुरू नहीं हो सका। इस दौरान ग्राउंड स्टाफ ने पूरे मैदान को ढक दिया। नियम के अनुसार, 8:10 बजे से ओवरों में कटौती होनी थी। वहीं, पांच-पांच ओवर के मुकाबले के लिए कट-ऑफ टाइम रात 10:16 बजे था। हालांकि, निरंतर बारिश के चलते मैदान गीला हो चुका था, जिसके बाद पांच-पांच ओवर का मुकाबला भी संभव नहीं था। अंपायर्स ने निरीक्षण के बाद मैच रद्द करने की घोषणा की। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के प्रशंसकों को भी मायूस होकर लौटना पड़ा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों की ली बैठक, विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के उपरांत मतदाता सूची प्रकाशित, राजनीतिक दलों को प्रदाय की गई प्रकाशित मतदाता सूची

सुकमा जिले में कुल 1,54,539 मतदाता पंजीकृत, 3076 की वृद्धि दर्ज

सुकमा /मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमित कुमार के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शबाब खान की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम के तहत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शबाब खान ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर 2025 से जिले में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान प्रारंभ किया गया था। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चार माह तक निरंतर एवं चरणबद्ध रूप से संचालित इस अभियान के पश्चात 21 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है।

प्रमुख आंकड़े-ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के उपरांत 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की गई, जिनका निराकरण 14 फरवरी 2026 तक नियमानुसार किया गया। कुल पंजीकृत मतदाता (21 फरवरी 2026) 154539 पंजीकृत हैं जिसमें ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद 3076 वृद्धि हुई है। प्रारंभिक मतदाता संख्या (27 अक्टूबर 2025) -185060 थी। ड्राफ्ट प्रकाशन (23 दिसंबर 2025) -151463 मतदाता थे।

घर-घर सत्यापन एवं डिजिटलीकरण-विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 249 बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं सत्यापन कार्य संपादित किया गया। कुल 185060 मतदाताओं का मिलान एवं मैपिंग कार्य पूर्ण किया गया तथा प्राप्त 151463 गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया गया। सर्वेक्षण के दौरान मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान कर आवश्यक संशोधन किए गए। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, उनकी पुष्टि हेतु बीएलओ एवं संबंधित राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की गई। संपूर्ण जानकारी जिला प्रशासन एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किए गए।

पारदर्शिता एवं सहयोग-विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ को भी अंतिम मतदाता सूची में अद्यतन किया गया है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची की दो प्रतियां (एक फोटोयुक्त मुद्रित एवं एक फोटोरहित सॉफ्ट कॉपी) निःशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। इस अभियान को समयसीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु 01 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ERO), 17 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (AERO), 249 बीएलओ एवं 498 बूथ लेवल एजेंट (BLA) सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही। मीडिया एवं नागरिक समाज का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

विधानसभा कोंटा अंतिम मतदाता सूची के आंकड़े-विधानसभा कोंटा(90) ड्राफ्ट मतदाता 151463, जुड़े 3952, विलोपन 876, वृद्धि 3076 अंतिम मतदाता 154539 हुए हैं।-

मतदाता नाम जांच एवं आवश्यक प्रपत्र-उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ख़ान ने बताया कि 01.01.2026 की पात्रता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा भी प्रपत्र संख्या 6 भरकर भविष्य में प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। भविष्य में समय-समय पर होने वाले आवश्यक संशोधनों के अनुसार, नागरिक प्रपत्र संख्या 6. 7 और 8 भी भर सकेंगे। SIR के दौरान आगामी अर्हता तिथि 01/10/2026 के संदर्भ में भावी मतदाताओं से आवेदन प्रपत्र 6 में प्राप्त किया गया है। सभी मतदाता अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम नीचे दिए गए माध्यमों से जाँच सकते हैं। https://ceochhattis-garh.nic., वोटर पोर्टÜ-httpsÑ//voters.eci.gov.in, ECINETAPP, बीएलओ (BLO) के माध्यम से अथवा जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय/ श्वत्रह्र/श्वत्रह्र कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अमित कुमार ने जिले के सभी नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएलओ, बीएलए एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। यदि पात्र मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरकर उसके साथ घोषणा पत्र और आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफ्लाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही अंतिम मतदाता सूची में दी गई जानकारी में कोई त्रुटि एवं स्थानातंरण हेतु फॉर्म-8 भरकर आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ ऑनलाइन या ऑफ्लाइन सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है। कलेक्टर ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से जांच लें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की पदयात्रा नया स्वर्णिम अध्याय : दक्ष वैद्य

मनखे मनखे एक समान का जनजागरण,राष्ट्रव्यापी एकता की पुकार:साहू

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी की गरिमामयी पदयात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, ÷यह पदयात्रा छत्तीसगढ़ के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ रही है।यह पदयात्रा हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की अभूतपूर्व उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। सतनामी समाज, किसान संगठनों, युवा ब्रिगेड, महिला मोर्चा एवं अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं की विशाल उपस्थिति ने इसे एक महाकाय जन-आंदोलन का रूप प्रदान कर दिया। नारे ÷बोल रहा अब हिंदुस्तान मनखे मनखे एक समान÷ की गूंज पूरे क्षेत्र में व्याप्त है, जो सामाजिक समानता, जातिगत एकता और राष्ट्रव्यापी एकजुटता का शक्तिशाली संदेश प्रसारित कर रही है।पदयात्रा के दौरान गुरु खुशवंत साहेब जी ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी भाषणों से उपस्थित विशाल जनसमूह को गहराई से प्रेरित किया। उन्होंने राज्य के समग्र विकास, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याण योजनाओं, किसानों की आर्थिक समृद्धि एवं फसल बीमा, युवाओं के रोजगार-सशक्तिकरण एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन, महिलाओं के सम्मानजनक उत्थान एवं स्वावलंबन तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया। साहेब जी की अपार नेतृत्व क्षमता, सहज जनसंपर्क, दूरदर्शी सोच और करिश्माई व्यक्तित्व ने हर व्यक्ति को पूर्णतः मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने स्पष्ट एवं दृढ़ शब्दों में कहा, ÷यह पदयात्रा केवल एक यात्रा नहीं, अपितु छत्तीसगढ़ की प्रगति का अटल संकल्प है। हम सबके सामूहिक प्रयासों से राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों पर अवश्य पहुंचाएंगे।÷ उनके इन अमूल्य वचनों ने कार्यकर्ताओं के हृदयों में नई ऊर्जा, उत्साह एवं संकल्प का संचार किया तथा संगठन की एकजुटता को अभेद्य किले की भांति सशक्त बना दिया।

दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि इस पदयात्रा में सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी के माध्यम से उन्होंने संगठन की अपार शक्ति, अनुशासनबद्ध एकता, व्यापक जनाधार एवं सामूहिक जज्बे का प्रत्यक्ष एवं जीवंत अनुभव प्राप्त किया। विभिन्न जातियों, वर्गों, क्षेत्रों एवं समुदायों से एकत्रित लाखों कार्यकर्ताओं में व्याप्त असीम उत्साह, पूर्ण समर्पण और सामूहिक भावना भविष्य के सभी राजनीतिक-सामाजिक कार्यक्रमों, चुनावी रणनीतियों एवं विकास परियोजनाओं के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगी। यह आयोजन न केवल राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, जातिगत एकता, महिला सशक्तिकरण और विकासोन्मुखी प्रतिबद्धता का जीवंत एवं चिरस्थायी प्रतीक भी बन चुका है। दक्ष वैद्य साहू ने आगे बताया कि पदयात्रा के जरिए उठाए जा रहे प्रमुख मुद्दे–भूमि सुधार एवं पट्टे वितरण, स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार, शिक्षा में गुणवत्ता सुधार एवं डिजिटल क्लासरूम, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, आयुष्मान भारत एवं पीएम किसान सम्मान निधि जैसी कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन–सीधे ग्रामीण एवं शहरी जनमानस तक पहुंच रहे हैं, जिससे आम नागरिकों में विश्वास, उत्साह और अपेक्षाएं प्रबल हो रही हैं।÷बोल रहा अब हिंदुस्तान मनखे मनखे के एक समान÷–यह शक्तिशाली नारा पदयात्रा का मूल मंत्र एवं प्रेरणा स्रोत बन चुका है, जो राष्ट्रव्यापी एकता, समानता एवं हिंदुत्व की पुकार है। गुरु खुशवंत साहेब जी के कुशल नेतृत्व एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन में यह पदयात्रा छत्तीसगढ़ को मजबूत, समृद्ध, समावेशी एवं विकसित राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

शिक्षक दंपति ने किया देहदान की घोषणा, मरने के बाद भी शिक्षा प्रदान करने की इच्छा

धमतरी/मूक पत्रिका

शनिवार को जिला अस्पताल पहुंचकर एक शिक्षक दंपति ने अपने देहदान की घोषणा की है। सरस्वती शिशु मंदिर रुद्री के पूर्व प्राचार्य और वर्तमान अध्यक्ष यादराम साहू और उनकी पत्नी दिनेश्वरी साहू, जो उक्त विद्यालय में शिक्षिका हैं, ने जिला अस्पताल धमतरी पहुंचकर शरीर दान की घोषणा की है।उन्होंने बताया कि वह लोग शिक्षक और शिक्षिका हैं और उनका जीवन शिक्षा देते हुए गुजर रहा है।

इसलिए वह लोग यह चाहते हैं कि मरने के बाद भी उनका शरीर लोगों को शिक्षा प्रदान करे। उन्होंने दोपहर दो बजे जिला अस्पताल पहुंचकर यह जानकारी दी और देहदान संबंधी प्रक्रिया भी पूरी की। इस अवसर पर यादराम साहू ने कहा, ÷हमारा जीवन शिक्षा को समर्पित है और हम चाहते हैं कि मरने के बाद भी हमारा शरीर लोगों को शिक्षा प्रदान करे। देहदान करना एक महान कार्य है और हम इसके लिए तैयार हैं।÷इस घोषणा के साथ ही यादराम साहू और दिनेश्वरी साहू ने समाज के लिए एक मिसाल पेश की है। उनकी इस पहल से लोगों को देहदान के महत्व के बारे में जागरूकता मिलेगी और वे भी इस दिशा में आगे आएंगे।

मनीष फिर बने नेशनल बैडमिंटन चेम्पियन, गोवा में आज दोहरा खिताब किया अपने नाम

रायपुर /मूक पत्रिका

गोवा में 15 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज बैडमिंटन टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ एकाउंट जनरल ऑफिस के खिलाड़ी मनीष गुप्ता ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन के बदौलत मेन्स डबल्स 40+ में और मिक्स डबल्स 40+ में नेशनल चेम्पियनशिप का खिताब जीतने में सफल रहे। मेन्स डबल्स 40+ में मनीष गुप्ता और टी.एस. बिष्ट जयपुर ने फाइनल मैच में हैदराबाद के टी. चंद्रजीत सिंह और टी. कृष्णा को 21-9, 18-21, 21-17 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया । इसी प्रकार से मिक्स डबल्स 40+ में मनीष अपने पार्टनर आइजोल की एल डी जॉली के साथ मिलकर टी.एस बिष्ट और प्रार्थना को बड़ी आसानी से 21-17, 21-14 से पराजित कर गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब रहे। इसके पूर्व मनीष और पार्टनर ने मेन्स डबल्स 40+ के क्वाटर फाइनल में अमित बेसरा और रवि केसरी को 15-04,15-06 से सेमीफाइनल में रवि रावत और दीप चंद पांडे को 21-12, 21-14 को पराजित किया।

कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी की ऐतिहासिक पदयात्रा: रत्नावली कौशल

राष्ट्रव्यापी एकता की पुकार है बोल रहा अब हिंदुस्तान मनखे मनखे एक समान के नारे की गूंज चारों ओर व्याप्त

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी की गरिमामयी पदयात्रा को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि ÷यह पदयात्रा छत्तीसगढ़ के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ रही है।÷यह पदयात्रा हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ आगे बढ़ रही है। सतनामी समाज, किसान संगठनों, युवा ब्रिगेड और महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं की अभूतपूर्व उपस्थिति ने इसे एक विशाल जन-आंदोलन का रूप दे दिया है। नारे ÷बोल रहा अब हिंदुस्तान मनखे मनखे एक समान÷ की गूंज चारों ओर व्याप्त है, जो समानता और एकता का संदेश दे रही है।पदयात्रा के दौरान गुरु खुशवंत साहेब जी ने अपने ओजस्वी भाषणों से उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रेरित किया। उन्होंने राज्य के विकास, जनकल्याण योजनाओं, किसानों की आर्थिक समृद्धि, युवाओं के रोजगार-सशक्तिकरण, महिलाओं के सम्मानजनक उत्थान तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास पर बल दिया। साहेब जी की नेतृत्व क्षमता, सहज जनसंपर्क और दूरदर्शी सोच ने हर व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷यह पदयात्रा केवल एक यात्रा नहीं, अपितु छत्तीसगढ़ की प्रगति का अटल संकल्प है। हम सबके सामूहिक प्रयासों से राज्य को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे।÷ उनके इन वचनों ने कार्यकर्ताओं के मनों में नई ऊर्जा का संचार किया तथा संगठन की एकजुटता को और सशक्त बनाया।। रत्नावली कौशल ने व्यक्त किया कि इस पदयात्रा में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से उन्होंने संगठन की अपार शक्ति, अनुशासनबद्ध एकता और जनाधार का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। विभिन्न जातियों, वर्गों, क्षेत्रों और समुदायों से एकत्रित कार्यकर्ताओं में व्याप्त उत्साह, समर्पण और सामूहिक जज्बा भविष्य के सभी राजनीतिक-सामाजिक कार्यक्रमों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा। यह आयोजन न केवल राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, जातिगत एकता और विकासोन्मुखी प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक भी बन चुका है। पदयात्रा के जरिए उठाए जा रहे प्रमुख मुद्दे–भूमि सुधार एवं पट्टे वितरण, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, शिक्षा में गुणवत्ता सुधार, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर विकास तथा आयुष्मान भारत जैसी कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन–सीधे जनमानस तक पहुंच रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में विश्वास और उत्साह बढ़ा है।÷बोल रहा अब हिंदुस्तान मनखे मनखे के एक समान÷–यह नारा पदयात्रा का मूल मंत्र बन गया है, जो राष्ट्रव्यापी एकता की पुकार है। गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में यह पदयात्रा छत्तीसगढ़ को मजबूत, समृद्ध और समावेशी राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा झेरिया लोहार समाज के कार्यक्रम में पहुंचे पूर्व विधायक का आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा झेरिया लोहार समाज के युवक युवति परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कार्यक्रम लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि झेरिया लोहार समाज द्वारा आज जो युवक युति परिचय सम्मेलन एवं पारिवारिक मिलन का आयोजन किया गया है वह बहुत ही अनुकरणीय पहल है सभी समाज को इस तरह के पहल करते रहनी चाहिए इससे न केवल विवाह योग्य युवक यूतियों को अपने जीवनसाथी का चुनाव करने में आसानी होती है बल्कि इससे समाज में होने वाला अनर्गल खर्चे में भी कमी आती है समाज के लोग सभी एक स्थान में बैठकर एक दूसरे से बातचीत करके आपसी समझ बनाकर न केवल नवयुगलों को अपना आशीर्वाद देते हैं बल्कि कहीं ना कहीं समाज में आपसी सौहार्दता कभी माहौल बनता है पारिवारिक मिलन के माध्यम से ऐसे ही शुभ अवसरों पर लोग आपस में मिल पाते हैं अपना सुख-दुख बांट पाते हैं आज के आडंबर युक्त जीवन शैली में इस तरह के आयोजन बहुत ही प्रशंसनीय है छत्तीसगढ़ विश्वकर्मा झेरिया समाज के प्रबुद्ध जनों से मेरा एक ही निवेदन है समाज में शिक्षा और विशेष कर बालिका शिक्षा को सर्वोपरि मानकर सभी घरों में इसे प्राथमिकता देने साथ ही साथ इस आयोजन में मुझे आमंत्रित करने के लिए समाज का साधुवाद है इस अवसर पर श्रीमती माधुरी रवि परगनिया जनपद अध्यक्ष बेरला तुलसी पटेल पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी भिलाई एवं शुभम वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बेरला सीमा टिकरिया जनपद सदस्य बेरला ललित विश्वकर्मा जिला कांग्रेस प्रभारी मंत्री रामस्वरूप विश्वकर्मा प्रदेश सचिव विश्वकर्मा समाज राधेलाल विश्वकर्मा कार्यकारिणी अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज सुरेश विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष विश्वकर्मा समाज बलदाऊ शर्मा अध्यक्ष मां कार्य कन्या समिति भैंस बोर्ड बेरला भोजराम विश्वकर्मा संरक्षक विश्वकर्मा समाज तथा मुकुर राम विश्वकर्मा संरक्षक विश्वकर्मा समाज सहित समाज के गण मान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।